

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका, भिवंडी



मुख्य लेखापरिक्षण विभाग

यांचा

वार्षिक लेखापरिक्षण अहवाल

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम 106 नुसार

वर्ष सन 2021-2022 अखेर

अनुक्रमाणिका

अ.क्र.	विषय	पान क्र.
1	सन 2012-2013 प्रलंबित आक्षेपांची माहिती	1 ते 5
2	सन 2013-2014 प्रलंबित आक्षेपांची माहिती	6 ते 6
3	सन 2014-2015 प्रलंबित आक्षेपांची माहिती	7 ते 7
4	सन 2015-2016 प्रलंबित आक्षेपांची माहिती	8 ते 9
5	सन 2016-2017 प्रलंबित आक्षेपांची माहिती	10 ते 10
6	सन 2017-2018 प्रलंबित आक्षेपांची माहिती	11 ते 11
7	सन 2018-2019 प्रलंबित आक्षेपांची माहिती	12 ते 12
8	सन 2019-2020 प्रलंबित आक्षेपांची माहिती	13 ते 13
9	सन 2020-2021 प्रलंबित आक्षेपांची माहिती	14 ते 14
10	सन 2021-2022 प्रलंबित आर्धसमास माहिती	15 ते 15
11	सन 2012-2013 ते सन 2020-21 या कालावधीचा एकत्रित गोषवारा	16 ते 16
12	अभिप्राय	17 ते 18
वार्षिक लेखापरिक्षण अहवाल सन 2021-2022		
13	परवाना	20 ते 22
14	परवाना विभाग (प्र. स. क्र.03)	22 ते 25
15	लेखा विभाग	26 ते 32
16	परवाना विभाग (प्र.स.क्र. 02)	32 ते 34
17	दक्षता व उपाय	35 ते 35
18	व्दिनोद लेखांकनानुसार ठेवलेल्या वार्षिक लेखावरील लेखापरिक्षण अहवाल सन 2012-13 ते 2019-2020	37 ते 52

सन 2012- 2013 प्रलंबित आक्षेपांची माहिती

विभागाचे नांव	एकुण लागू केलेले आक्षेपांची संख्या	वगळलेल्या आक्षेपांची संख्या	वगळलेले आक्षेप क्रमांक	प्रलंबित आक्षेपांची संख्या	प्रलंबित आक्षेप क्रमांक
प्रभाग समिती क्र. 1 (भु-भाग क्र. 7)	36	0	0	36	1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36.
करनिर्धारण व करमुल्यांकन	32	0	0	32	37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68.
प्रभाग समिती क्र. 5 भु-भाग क्र. 1	10	0	0	10	69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78.
प्रभाग समिती क्र. 5 भु-भाग क्र. 2	5	0	0	5	79,80,81,82,83
प्रभाग समिती क्र. 5 भु-भाग क्र. 3	20	0	0	20	84,85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103.
प्रभाग समिती क्र. 5 भु-भाग क्र. 4	22	2	107,118	20	104, 105, 106, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125.
प्रभाग समिती क्र. 5 भु-भाग क्र. 5	6	0	0	6	126,127, 128, 129, 130, 131.
प्रभाग समिती क्र. 5 भु-भाग क्र. 6 व 7	9	0	0	9	132,133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140.
प्रभाग समिती क्र. 5 भु-भाग क्र. 8	6	1	142	5	141,143, 144, 145, 146.
प्रभाग समिती क्र. 5 भु-भाग क्र. 9	104	0	0	104	147,148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218.

विभागाचे नांव	एकुण लागू केलेले आक्षेपांची संख्या	वगळलेल्या आक्षेपांची संख्या	वगळलेले आक्षेप क्रमांक	प्रलंबित आक्षेपांची संख्या	प्रलंबित आक्षेप क्रमांक
					219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250.
प्रभाग समिती क्र. 5 भू-भाग क्र. 10	12	0	0	12	251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262.
प्रभाग समिती क्र. 5 भू-भाग क्र. 11	3	0	0	3	263, 264, 265.
प्रभाग समिती क्र. 5 भू-भाग क्र. 12	29	0	0	29	266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294.
प्रभाग समिती क्र. 4 भू-भाग क्र. 1	13	0	0	13	295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307.
प्रभाग समिती क्र. 4 भू-भाग क्र. 2 व 4	21	0	0	21	308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328.
प्रभाग समिती क्र. 4 भू-भाग क्र. 5	12	0	0	12	329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340.
प्रभाग समिती क्र. 4 भू-भाग क्र. 6	4	0	0	4	341, 342, 343, 344.
प्रभाग समिती क्र. 4 भू-भाग क्र. 7	6	0	0	6	345, 346, 347, 348, 349, 350.
प्रभाग समिती क्र. 4 नविन नळ कनेक्शन शुल्क भरणा तपासणी	16	0	0	16	351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366.
प्रभाग समिती क्र. 4 नविन नळ कनेक्शन फॉर्म विक्री भरणा तपासणी	14	0	0	14	367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380.
प्रभाग समिती क्र. 4 झोपडा हस्तांतरण भरणा	20	0	0	20	381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400.

विभागाचे नांव	एकुण लागू केलेले आक्षेपांची संख्या	वगळलेल्या आक्षेपांची संख्या	वगळलेले आक्षेप क्रमांक	प्रलंबित आक्षेपांची संख्या	प्रलंबित आक्षेप क्रमांक
तपासणी					
प्रभाग समिती क्र. 4 असेसमेंट उतारा शुल्क तपासणी	6	0	0	6	401, 402, 403, 404, 405, 406.
प्रभाग समिती क्र. 4 मालमत्ता हस्तांतरण शुल्क तपासणी	8	0	0	8	407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414.
प्रभाग समिती क्र. 4 धनादेश नोंदवही बाबत	2	0	0	2	415, 416.
प्रभाग समिती क्र. 4 हॉल भाडे शुल्क भरणा तपासणी	6	0	0	6	417, 418, 419, 420, 421, 422.
प्रभाग समिती क्र. 4 माहिती अधिकारी शुल्क तपासणी	7	0	0	7	423, 424, 425, 426, 427, 428, 429.
प्रभाग समिती क्र. 4 संगणक विभाग	28	0	0	28	430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457.
प्रभाग समिती क्र. 3 भुभाग क्र. 1	11	0	0	11	458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468.
प्रभाग समिती क्र. 3 भुभाग क्र. 2	24	0	0	24	469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492.
प्रभाग समिती क्र. 3 भुभाग क्र. 5	6	0	0	6	493, 494, 495, 496, 497, 498.
प्रभाग समिती क्र. 3 भुभाग क्र. 6	18	0	0	18	499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516.
प्रभाग समिती क्र. 3	8	0	0	8	517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524,

विभागाचे नांव	एकुण लागू केलेले आक्षेपांची संख्या	वगळलेल्या आक्षेपांची संख्या	वगळलेले आक्षेप क्रमांक	प्रलंबित आक्षेपांची संख्या	प्रलंबित आक्षेप क्रमांक
भुभाग क्र.9					
प्रभाग समिती क्र.3 भुभाग क्र.11	18	0	0	18	525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534.535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542.
प्रभाग समिती क्र.3 भुभाग क्र.12	28	0	0	28	543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552.553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570.
प्रभाग समिती क्र.3 भुभाग क्र.13 व 14	12	0	0	12	571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581.582.
प्रभाग समिती क्र.3 झोपडा हस्तांतरण शुल्क तपासणी	15	0	0	15	583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593.594, 595, 596, 597.
प्रभाग समिती क्र.3 झोपडपट्टी विभागातील हस्त पावतीद्वारे वसूल करण्यात आलेली पाणीपट्टी शुल्क वसूल तपासणी	7	0	0	7	598, 599, 600, 601, 602, 603, 604.
प्रभाग समिती क्र.3 झोपडा घरपट्टी व शिक्षणकर भरणा तपासणी	6	0	0	6	605, 606, 607, 608,609, 610.
प्रभाग समिती क्र.3 नविन नळ कनेक्शन भरणा तपासणी	3	0	0	3	611, 612, 613.
प्रभाग समिती क्र.3 संगणकीय रद्द पावती तपासणी	3	0	0	3	614, 615.616.
प्रभाग समिती क्र.3 असेसमेंट विभाग	22	0	0	22	617, 618, 619, 620, 621.622, 623, 624.625, 626, 627.628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638.

विभागाचे नांव	एकुण लागू केलेले आक्षेपांची संख्या	वगळलेल्या आक्षेपांची संख्या	वगळलेले आक्षेप क्रमांक	प्रलंबित आक्षेपांची संख्या	प्रलंबित आक्षेप क्रमांक
भविष्य निर्वाह निधी विभाग	60	0	0	60	639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698.
मार्केट विभाग	7	7	699, 700, 701, 702, 703, 704, 705.	0	0
एकुण	705	10		695	

सन 2013 – 2014 प्रलंबित आक्षेपांची माहिती माहिती

विभागाचे नांव	एकुण लागू केलेले आक्षेपांची संख्या	वगळलेल्या आक्षेपांची संख्या	वगळलेले आक्षेप क्रमांक	प्रलंबित आक्षेपांची संख्या	प्रलंबित आक्षेप क्रमांक
भविष्य निर्वाह निधी विभाग	2	0	0	2	1, 2.
आरोग्य विभाग	3	0	0	3	3, 4, 5.
प्रभाग समिती क्र.1	33	0	0	33	6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38.
एकुण	38	0	0	38	

सन 2014 - 2015 प्रलंबित आक्षेपांची माहिती

विभागाचे नांव	एकुण लागू केलेले आक्षेपांची संख्या	वगळलेल्या आक्षेपांची संख्या	वगळलेले आक्षेप क्रमांक	प्रलंबित आक्षेपांची संख्या	प्रलंबित आक्षेप क्रमांक
प्रभाग समिती क्र.1	29	0	0	29	1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29.
प्रभाग समिती क्र.1,2,3,4,5	1	0	0	1	30.
लेखा विभाग	2	0	0	2	31, 32.
आरोग्य विभाग	2	0	0	2	33, 34.
अभिलेख विभाग	1	1	35	0	0
बांधकाम विभाग	1	0	0	1	36.
पाणीपुरवठा विभाग	1	0	0	1	37.
सर्व नियंत्रक अधिकारी व सर्व विभाग प्रमुख	1	चोवीस विभाग	चोवीस विभाग	1	38.
एकुण	38	1	0	37	

टिप : आक्षेप क्र. 38 अंतर्गत बावीस विभाग सोडून इतर विभागाकडून खुलासे प्राप्त न झाल्याने सदर आक्षेप वगळण्यात आलेला नाही.

2015 – 2016 प्रलंबित आक्षेपांची माहिती

विभाग	एकूण लागू केलेले आक्षेपांची संख्या	वगळलेल्या आक्षेपांची संख्या	वगळलेले आक्षेप क्रमांक	प्रलंबित आक्षेपांची संख्या	प्रलंबित आक्षेप क्रमांक
करमुल्यांकन व करनिर्धारण विभाग	82	0	0	82	1,2,3,4,5,6,7,8,9,10,11,12,13,14,15,16,17,18,19,20,21,22,23,24,25,26,27,28,29,30,31,32,33,34,35,36,37,38, 39,40,41,42,43,44,45,46,47,48,49,50,51,52,53,54,55,56,57,58, 59,60,61,62,63,64,65,66,67,68, 69,70,71,72,73,74,75, 76, 77,78,79,80,81,82
प्रभाग समिती क्र. 1	75	0	0	75	83,84,85,86,87,88,89,90,91,92,93,94,95, 96,97,98,99,100,101, 102,103,104,105,106,107,108, 109,110,111,112,113,114,115,116,117,118,119,120,121, 122,123,124,125,126,127,128,129,130,131,132, 133,134,135, 136,137,138,139, 140,141,142,143,144,145,146,147,148,149,150,151, 152, 153,154,155,156,157
प्रभाग समिती क्र. 2	25	0	0	25	158,159,160,161,162,163, 164,165,166,167,168,169,170 ,171,172,173,174,175,176,177,178,179,180,181,182
आस्थापना	02	1	01	01	183
शिक्षण मंडळ	01	0	0	01	184
शिक्षण मंडळ	01	0	0	01	185
वैद्यकीय आरोग्य विभाग					
लेखा	01	0	0	01	186
भविष्य निर्वाह निधी					

विभाग	एकूण लागू केलेले आक्षेपांची संख्या	वगळलेल्या आक्षेपांची संख्या	वगळलेले आक्षेप क्रमांक	प्रलंबित आक्षेपांची संख्या	प्रलंबित आक्षेप क्रमांक
विभाग					
लेखा विभाग	02	0	0	02	187,188
आरोग्य विभाग	02	02	180,181	0	0
एकूण	191	03		188	

टिप:- सन 2015-16 मध्ये वगळलेले आक्षेप क्र. या कॉलम अंतर्गत 177,180,181 हे अर्धसमास क्रमांक वगळण्यात आलेले आहे.

सन 2016- 2017 अखेर आक्षेपांबाबत माहिती

विभाग	एकूण लागू केलेले आक्षेपांची संख्या	वगळलेल्या आक्षेपांची संख्या	वगळलेले आक्षेप क्रमांक	प्रलंबित आक्षेपांची संख्या	प्रलंबित आक्षेप क्रमांक
लेखा विभाग	03	1	3	2	1,2
भविष्य निर्वाह निधी विभाग	05	0	0	5	4,5,6,7,8
लेखा विभाग	03	0	0	3	9,10,11
भविष्य निर्वाह निधी विभाग					
करमुल्यांकन व करनिर्धारण विभाग	02	0	0	2	12,13
सर्व नियंत्रक अधिकारी व विभाग प्रमुख	01	तेरा विभाग	तेरा विभाग	1	14
आरोग्य विभाग	01	0	0	1	15
उपआयुक्त (आरोग्य)					
प्रभाग समिती क्र. 4	15	1	67	14	16,17,18,19,20,21,22,23,24,25,26,27,28,29
प्रभाग समिती क्र. 5	38	2	112,128	36	30,31,32,33,34,35,36,37,38,39,40,41,42,43,44,45,46,47,48,49,50,51,52,53,54,55,56,57,58,59,60,61,62,63,64,65
वाहन	1	0		1	66
प्रभाग समिती क्र. 1	1	0		1	67
प्रभाग समिती क्र. 2	1	0		1	68
आस्थापना विभाग	60	0		60	69,70,71,72,73,74,75,76,77,78,79,80,81,82,83,84,85,86,87,88,89,90,91,92,93,94,95,96,97,98,99,100,101,102,103,104,105,106,107,108,109,110,111,112,113,114,115,116,117,118,119,120,121,122,123,124,125,126,127,128.
परवाना विभाग	1	1	129	0	0
बांधकाम विभाग	1	0		1	130
पाणिपुरवठा विभाग					
एकूण	133	5		128	

टिप : 1. आक्षेप क्र. 14 अंतर्गत 9 विभाग सोडून इतर विभागाकडून खुलासे प्राप्त न झाल्याने सदर अर्धसमास वगळण्यात आलेला नाही.

2. आक्षेप क्र. 26 अंतर्गत मुद्दा क्र. 1 वगळण्यात आलेला नाही. 3. सन 2016-17 मध्ये वगळलेले आक्षेप क्रमांक या कॉलम अंतर्गत 67,112,128 हे अर्धसमास क्रमांक वगळण्यात आलेले आहेत.

सन 2017- 2018 अखेर आक्षेपांबाबत माहिती

विभाग	एकूण लागू केलेले आक्षेपांची संख्या	वगळलेल्या आक्षेपांची संख्या	वगळलेले आक्षेप क्रमांक	प्रलंबित आक्षेपांची संख्या	प्रलंबित आक्षेप क्रमांक
प्रभाग समिती क्र. 1,3,4,5, करमुल्यांकन, आरोग्य, बांधकाम, पाणिपुरवठा, शिक्षण मंडळ, वैद्यकीय आरोग्य, वाहन	1	0	0	1	1
परवाना	1	1	2	0	0
प्रभाग समिती क्र. 2	1	0	0	1	2
अभिलेख	3	3	3,4,5	0	0
लेखा	2	2	7,45	0	0
भविष्य निर्वाह निधी	17	0	17	17	6,7,8,9,10,11,12,13,14,15,16,17,18,19,20,21,22
भविष्य निर्वाह निधी व आस्थापना	1	0	1	1	23
भविष्य निर्वाह निधी	23	0	23	23	24,25,26,27,28,29,30,31,32,33,34,35,36,37,38,39,40,41,42,43,44,45,46
एकूण	49	6		43	

टिप:- 1)आक्षेप क्र. 1 अंतर्गत सात विभाग सोडून इतर विभागाकडून खुलासे प्राप्त न झाल्याने सदर आक्षेप वगळण्यात आलेला नाही.

2) सन 2017-18 मध्ये वगळलेले आक्षेप या कॉलम अंतर्गत 2,7,45 हे अर्थसमास क्रमांक वगळण्यात आलेले आहे.

सन 2018- 2019 अखेर आक्षेपांबाबत माहिती

विभाग	एकूण लागू केलेले आक्षेपांची संख्या	वगळलेल्या आक्षेपांची संख्या	वगळलेले आक्षेप क्रमांक	प्रलंबित आक्षेपांची संख्या	प्रलंबित आक्षेप क्रमांक
अभिलेख	1	1	1	0	0
मार्केट	6	6	2,3,4,5,6,7	0	0
प्रभाग समिती क्र. 1	32	3	9,10,11	29	8,12,13,14,15,16,17,18,19,20,21,22,23,24,25,26,27,28,29,30,31,32,33,34,35,36,37,38,39
परवाना	2	2	40,41	0	0
आस्थापना	16	0		16	42,43,44,45,46,47,48,49,50,51,52,53,54,55,56,57
बांधकाम	9	2		7	58,59,60,61,62,63,64
प्रभाग समिती क्र.1 ते 5	1	0		1	65
आरोग्य	2	0		2	66,67
बांधकाम/पाणीपुरवठा	1	1		0	0
माध्यमीक शिक्षण	1	0		1	68
एकूण	71	15		56	

टिप:- 1) सन 2018-2019 मध्ये 1,18,19,31 हे अर्धसमास क्रमांक वगळण्यात आलेले आहे.

2) सन 2022-2023 मध्ये 2,3,4,5,6,7 हे आक्षेप क्रमांक वगळण्यात आलेले आहे.

सन 2019-2020 अखेर आक्षेपांबाबत माहिती

विभाग	एकूण लागू केलेले आक्षेपांची संख्या	वगळलेल्या आक्षेपांची संख्या	वगळलेले आक्षेप क्रमांक	प्रलंबित आक्षेपांची संख्या	प्रलंबित आक्षेप क्रमांक
परवाना विभाग	11	11	1,2,3,4,5, 6,7,8,13, 14,20	0	0
प्रभाग समिती क्र.01	6	1	12	5	9,16,17,18,21
प्रभाग समिती क्र.03	2	1	23	1	10
प्रभाग समिती क्र.04	2	0		2	19,22
लेखा विभाग	2	2	11,15	0	0
आस्थापना विभाग	6	0		6	25,30,31,32,33,34
भविष्य निर्वाह निधी विभाग	3	0		3	26,27,28
अभिलेख विभाग	1	1	24	0	0
मार्केट	1	1	29	0	0
आरोग्य	3	0		3	35,36,37
एकूण	37	17		20	

टिप:- सन 2019-2020 मध्ये 1,2,3,4,5,6,7,8,11,12,13,14,15,20,23,24,29 हे अर्धसमाप्त क्रमांक वगळण्यात आलेले आहे.

सन 2020-2021 अखेर आक्षेपांबाबत माहिती

विभाग	काढलेले एकूण जापन	सन 2020-21 मध्ये वगळलेले जापन	शिल्लक अर्धसमास	प्रलंबित अर्धसमास क्रमांक
लेखा	05	0	05	2,3,4,5,6
परवाना (प्र.स.क्र.02)	02	0	02	7,8
परवाना (प्र.स.क्र.03)	02	0	02	9,10
प्रभाग समिती क्र. 01	08	01	07	11,14,15,16,17,18,19
बांधकाम विभाग	1	0	01	12
प्रभाग समिती क्र. 03	04	0	04	13,21,23,24
वाहन विभाग	02	0	02	20,22
एकूण	24	01	23	

टिप:- सन 2020-2021 मध्ये अर्धसमास क्रमांक 01 वगळण्यात आलेले आहे.

सन 2021-2022 अखेर आक्षेपांबाबत माहिती

विभाग	काढलेले एकूण ज्ञापन	सन 2020-21 मध्ये वगळलेले ज्ञापन	शिल्लक अर्धसमास	प्रलेखित अर्धसमास क्रमांक
प्रभाग समिती क्र 01	03	3	0	
परवाना विभाग	05	-	5	4,5,6,7,8
परवाना (प्र स क्र 03)	11	-	11	10,11,12,13,14,15,16,17,18,19,20
लेखा	32	12	20	09,24,25,26,27,28,29,30,32,33,34,35,36,37,44,46,47,48,49,50
परवाना (प्र स क्र 04)	02	2	0	
परवाना (प्र स क्र 02)	06	-	06	54,55,56,57,58,59
एकूण	59	17	42	

टिप:- सन 2021-2022 मध्ये क्रमांक 01,02,03,21,22,23,31,38,39,40,41,42,43,45,51,52,53 हे अर्धसमास क्रमांक वगळण्यात आलेले आहे.

सन 2012 - 2013 ते सन 2021 - 2022 या कालावधीचा एकत्रित गोष्टवारा

वर्ष	एकूण आक्षेप	वगळण्यात आलेले आक्षेप	प्रलंबित आक्षेप
सन 2012-13	705	10	695
सन 2013-14	38	0	38
सन 2014-15	38	1	37
सन 2015-16	191	3	188
सन 2016-17	133	5	128
सन 2017-18	49	6	43
सन 2018-19	71	9	62
सन 2019-20	37	17	20
सन 2020-21	24	01	23
सन 2021-22	59	17	42
एकूण	1345	69	1276

(

(

अभिप्राय

- 1) भिवंडी निजामपुर महानगरपालिकेचे सन 2021/22 या वित्तीय वर्षाचे मुळ अर्थसंकल्पीय अंदाजानुसार जमा रक्कम रु.73,605.92 लक्ष असुन सुधारित अंदाजानुसार जमा रक्कम रु.61,975.87 लक्ष दर्शविण्यात आली आहे. परंतु प्रत्यक्ष जमा रक्कम रु. 77,660.86 लक्ष इतकी असल्याने जमा रक्कमेत सुधारीत अंदाजापेक्षा रक्कम रु.15,684.99 लक्ष इतकी वाढ दिसुन येते.
- 2) सदर महानगरपालिकेचे 21/22 या वित्तीय वर्षाचे मुळ अर्थसंकल्प अंदाजानुसार खर्च रक्कम रु.84,473.37 लक्ष असुन सुधारित अंदाजानुसार खर्च रक्कम 67,278.55 लक्ष दर्शविण्यात आली आहे. परंतु प्रत्यक्ष खर्च रक्कम रु.80,550.45 लक्ष असल्याने खर्च रक्कमेत सुधारीत अंदाजापेक्षा रक्कम रु 13,271.90 लक्ष इतकी वाढ झाल्याचे दिसुन येत आहे.
- 3) महानगरपालिकेचे सन 2021/2022 या वित्तीय वर्षात एकुण मनपा स्रोतातुन रु.53,686.31 लक्ष उत्पन्न प्राप्त झाले असुन त्यातुन महसुली खर्च रु.46,438.87 लक्ष व भांडवली खर्च रु.10,137.03 लक्ष असे एकुण खर्च रु.56,575.90 लक्ष खर्च झाला आहे.
- 4) महानगरपालिकेची आर्थिक स्थिती सुधारण्यासाठी खर्चांमध्ये काटकसर करणे, घरपट्टी, पाणीपट्टी व इतर सर्व थकित करांची 100 टक्के वसुली होण्यासाठी प्रयत्नशील राहणे आवश्यक वाटते.
- 5) महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाच्या कलम 91 अन्वये महानगरपालिका नियमाव्दारे विहित करण्यात आले असतील असे विशेष निधी स्थापना करतील तसेच नियम 91-अ नुसार महानगरपालिका एकत्रीत पाणीपुरवठा व जलप्रवाह विनियोग कर्जनिधी व नियम 91-ब जल व मलप्रवाह निधीची स्थापना करणे आवश्यक आहे.
- 6) NMAM राष्ट्रीय लेखा नियम पुस्तिकेत नमुद नियम व नमुन्यानुसार लेखे ठेवणे आवश्यक आहेत.
- 7) महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम 94 अन्वये मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी यांनी विहीत प्रपत्रात महानगरपालिका वार्षिक लेखा तयार करण्याची दक्षता घ्यावी.
- 8) शासनाच्या वतीने वसूल केलेल्या करांच्या रक्कमांचा भरणा शासन नियमानुसार विहित मुदतीत होत नसल्याने या बाबत लेखा विभागाने दक्षता घ्यावी.
- 9) निधी अभावी अनेक खर्चाची प्रदाने अंशता करण्यात आल्याचे व साधारणतः हा मागील दोन वर्षांची प्रदाने प्रलंबीत असल्याचे दिसुन येत असल्याने मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी यांनी योग्य आर्थिक नियोजन करण्याची दक्षता घेणे आवश्यक आहे.
- 10) ना नफा - ना तोटा तत्वावर महानगरपालिकेने पुरवावयाच्या सेवांसाठी महानगरपालिका उत्पन्नाचा एवढा खर्च होईल याची लेखा विभागाने दक्षता घेणे आवश्यक आहे.
- 11) सन 1954-55 पासुन अग्रिम रक्कमांचे समायोजन / वसुली केलेली नाही ती तात्काळ करुन घेणे गरजेचे आहे. देण्यात आलेल्या अग्रिम रक्कमेचे समायोजन / वसुली होणे देखिल आवश्यक आहे.
- 12) चोरी अफरातफर अपहर प्रकरणांच्या नोंदवही / तक्ते नसल्याने तशा नोंदवह्या / नोंद ठेवणे अवश्यक आहे.
- 13) वार्षिक लेखे / तिमाही लेखे / साप्ताहिक तयार करण्यात येत नाहीत रोख प्रवाह तसेच जमा व खर्च पत्रक लेखा विभागाने तयार करणे आवश्यक आहे.
- 14) प्राप्त होणारी अनुदाने वर्षा अखेर एकुण प्राप्त अनुदान शिल्लक परतावा इ गोषवारा काढुन तो प्राधिकृत अधिका-याने स्वाक्षरी करणे आवश्यक असल्याने लेखा विभागाने याबाबत दक्षता घ्यावी.
- 15) मनपास प्राप्त होणा-या विविध उत्पन्न स्रोतांच्या थकबाकी बाबत विवरणपत्र तयार करण्यात येत नसल्याने लेखा विभागाने या बाबत दक्षता घ्यावी.
- 16) Bank Reconciliation सर्व बँक खात्याचे नियमीत करणे आवश्यक आहे. सदर पुर्तता करण्याची दक्षता विभागाने घ्यावी.

(

(

17) मनपा महसुलाचे लेखापरिक्षण दरम्यान मनपाने गृहीत धरणे उत्तत्र प्राप्त होत नसल्याचे निदर्शनास येत आहे. परिणामी अर्थसंकल्पात तुट निर्माण होत असुन मनपाची आर्थिक परिस्थिती घट निर्माण होत आहे. सबब मनपाचा अर्थसंकल्प तयार करताना लेखा विभागाने नियम 26 च्या मार्गदर्शक तत्वाचे अवलंब काटकोरपणे करणे आवश्यक आहे.




(इंजि. श्रीकांत अनारसे),
मुख्य लेखापरिक्षक,
भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका.

(

(

मुख्य लेखापरिक्षण विभाग
यांचा वार्षिक लेखापरिक्षण अहवाल

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम १०६ नुसार



वर्ष सन २०२१-२०२२ अखेर

‘

‘

सन 2021-2022 मधिल आक्षेपांची माहिती

आक्षेप क्रमांक	अर्धसमास जापन क्रमांक दिनांक	विभागाचे नांव	आक्षेपांच तपशिल	शेरा
1	04 07/09/2022	परवाना विभाग	विषय:- सन 2021-2022 प्रभाग समिती क्र.1 चे फॉर्म फी विक्री चे सर्वसाधारण पावती पुस्तक व चलन तपासणी बाबत.. सर्वसाधारण पावती पुस्तक क्र.869 (पावती क्र. 86801 ते 86816) व चलन बुक क्र.265 (चलन क्र. 26401 ते 26406) यांचे नमुना क्र.78 (भरणा रजिष्टर) विभागाने लेखा परिक्षण करीता दिले गेले नाही. तरी सदर भरणाची नोंद नमुना क्र.78(भरणा रजिष्टर) मध्ये झाली आहे का याची खातर जमा करता येत नाही. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
2	05 07/09/2022	परवाना विभाग	विषय:- सन 2021-2022 प्रभाग समिती क्र.1 चे परवाना नुतणी करण पावती पुस्तक व चलन तपासणी बाबत.. परवाना पावती पुस्तक क्र.22 (पावती क्र. 2101 ते 2200) व पावती पुस्तक क्र.06 (पावती क्र.501 ते 546) चलन बुक क्र.264 (चलन क्र. 26301 ते 26369) यांचे नमुना क्र.78 (भरणा रजिष्टर) विभागाने लेखा परिक्षण करीता दिले गेले नाही. तरी सदर भरणाची नोंद नमुना क्र.78(भरणा रजिष्टर) मध्ये झाली आहे का याची खातर जमा करता येत नाही. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
3	06 07/09/2022	परवाना विभाग	विषय :- सन 2021-2022 प्रभाग समिती क्र.1 चे फॉर्म फी विक्री चे सर्वसाधारण पावती पुस्तक व चलन तपासणी बाबत.. सर्वसाधारण पावती पुस्तक क्रमांक 869 तपासणी केली असता,	

			<table border="1"> <tr> <th>अ.क्र.</th><th>दिनांक</th><th>पावती क्र.</th><th>रक्कम</th></tr> <tr> <td>1</td><td>16/04/2021</td><td>86801</td><td>50/-</td></tr> <tr> <td>2</td><td>16/04/2021</td><td>86802</td><td>50/-</td></tr> <tr> <td>3</td><td>16/04/2021</td><td>86803</td><td>50/-</td></tr> <tr> <td>4</td><td>16/04/2021</td><td>86804</td><td>50/-</td></tr> <tr> <td>5</td><td>11/10/2021</td><td>86810</td><td>100/-</td></tr> <tr> <td>6</td><td>11/10/2021</td><td>86811</td><td>100/-</td></tr> <tr> <td>7</td><td>11/10/2021</td><td>86812</td><td>200/-</td></tr> <tr> <td>8</td><td>11/10/2021</td><td>86813</td><td>100/-</td></tr> </table> वरील नमूद पावत्यांन वरती प्राधिकृत अधिकारी ची सही दिसून येत नाही. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	अ.क्र.	दिनांक	पावती क्र.	रक्कम	1	16/04/2021	86801	50/-	2	16/04/2021	86802	50/-	3	16/04/2021	86803	50/-	4	16/04/2021	86804	50/-	5	11/10/2021	86810	100/-	6	11/10/2021	86811	100/-	7	11/10/2021	86812	200/-	8	11/10/2021	86813	100/-	
अ.क्र.	दिनांक	पावती क्र.	रक्कम																																					
1	16/04/2021	86801	50/-																																					
2	16/04/2021	86802	50/-																																					
3	16/04/2021	86803	50/-																																					
4	16/04/2021	86804	50/-																																					
5	11/10/2021	86810	100/-																																					
6	11/10/2021	86811	100/-																																					
7	11/10/2021	86812	200/-																																					
8	11/10/2021	86813	100/-																																					
4	07 07/09/2022	परवाना विभाग	विषय :- सन 2021-2022 प्रभाग समिती क्र.1 चे मास्क न वापरणाऱ्यांन कडून दंड वसुली चे सर्वसाधारण पावती पुस्तक व चलन तपासणी बाबत.. सर्वसाधारण पावती पुस्तक क्र.653 (पावती क्र. 65201 ते 65219) व चलन बुक क्र.224 (चलन क्र. 22301 ते 22303) यांचे नमुना क्र.78 (भरणा रजिष्टर) विभागाने लेखा परिक्षण करीता दिले गेले नाही. तरी सदर भरणाची नोंद नमुना क्र.78(भरणा रजिष्टर) मध्ये झाली आहे का याची खातर जमा करता येत नाही. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.																																					
5	08 07/09/2022	परवाना विभाग	विषय :- सन 2021-2022 प्रभाग समिती क्र.1 चे फॉर्म फी विक्री चे सर्वसाधारण पावती पुस्तक व चलन तपासणी बाबत.. सर्वसाधारणपणे पावती फाडल्यावर दुय्यम प्रत (कार्बन कॉपी) पावती धारकास देणे अपेक्षित आहे. परंतु पावती पुस्तक क्र. 869 मध्ये पावती क्र. 86801 ते 86816 यांची दुय्यम प्रत (कार्बन कॉपी) पावती																																					

			धारकास दिलेल्या नाहीत असे तपासणीत दिसून आले आहे, तरी याबाबत खुलासा करावा. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.																													
6	10 21/11/2022	परवाना विभाग (प्र. स. क्र.03)	विषय :- सन 2021-2022 परवाना विभागातील भरणा तपासणी बाबत.. नुतनीकरण पावती पुस्तक क्रमांक 24 मधील पावती क्रमांक 2322, दिनांक 05/08/2021 ची पाहणी केली असता खालील प्रमाणे वसूल केल्याचे दिसून येत आहे <table> <tr> <th>अनु.क्र.</th> <th>परवाना फी कशाबद्दल</th> <th>31 मार्च 2022 अखेर</th> <th>रक्कम (मागील)</th> </tr> <tr> <td>1</td> <td>जागेचा वापर</td> <td>वडा पाव भाजी समोसा जेवण फी</td> <td>738/-</td> </tr> <tr> <td>2</td> <td>साठा करणे</td> <td>पानपट्टी</td> <td>130/-</td> </tr> <tr> <td>3</td> <td>कर्मचारी संख्या</td> <td>कर्मचारी 1 ते 9 फी</td> <td>250/-</td> </tr> <tr> <td>4</td> <td>नुतनीकरण</td> <td>चहा, कॉफी</td> <td>380/-</td> </tr> <tr> <td>5</td> <td>ड्युप्लीकेट फी</td> <td>-</td> <td>-</td> </tr> <tr> <td></td> <td>एकूण</td> <td></td> <td>1528/-</td> </tr> </table> सदर तक्त्यानुसार पावतीची बेरीज केली असता एकूण रक्कम रु.1498/- इतकी येत आहे. परंतु प्रत्यक्षात रक्कम रु.1528/- इतकी रक्कम नोंदवून रक्कम रु.30/- अतिरिक्त भरणा केल्याचे दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	अनु.क्र.	परवाना फी कशाबद्दल	31 मार्च 2022 अखेर	रक्कम (मागील)	1	जागेचा वापर	वडा पाव भाजी समोसा जेवण फी	738/-	2	साठा करणे	पानपट्टी	130/-	3	कर्मचारी संख्या	कर्मचारी 1 ते 9 फी	250/-	4	नुतनीकरण	चहा, कॉफी	380/-	5	ड्युप्लीकेट फी	-	-		एकूण		1528/-	
अनु.क्र.	परवाना फी कशाबद्दल	31 मार्च 2022 अखेर	रक्कम (मागील)																													
1	जागेचा वापर	वडा पाव भाजी समोसा जेवण फी	738/-																													
2	साठा करणे	पानपट्टी	130/-																													
3	कर्मचारी संख्या	कर्मचारी 1 ते 9 फी	250/-																													
4	नुतनीकरण	चहा, कॉफी	380/-																													
5	ड्युप्लीकेट फी	-	-																													
	एकूण		1528/-																													

7	11 21/11/2022	परवाना विभाग (प्र. स. क्र.03)	विषय :- सन 2021-2022 परवाना विभागातील भरणा तपासणी बाबत.. नुतनीकरण पावती पुस्तक क्रमांक 24 मधील पावती क्रमांक 2344, दिनांक 01/10/2021 ची पाहणी केली असता पावतीची बेरीज केली एकूण रक्कम रु.31,822/- इतकी येत आहे. परंतु प्रत्यक्षात रक्कम रु.32,222/- इतकी रक्कम नोंदवून रक्कम रु.400/- अतिरिक्त भरणा केल्याचे दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमाप्त जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
8	12 21/11/2022	परवाना विभाग (प्र. स. क्र.03)	विषय :- सन 2021-2022 परवाना विभागातील भरणा तपासणी बाबत.. नुतनीकरण पावती पुस्तक क्रमांक 24 मधील पावती क्रमांक 2377, दिनांक 29/10/2021 ची पाहणी केली असता पावतीची बेरीज केली एकूण रक्कम रु.43,954/- इतकी येत आहे. परंतु प्रत्यक्षात रक्कम रु.44,054/- इतकी रक्कम नोंदवून रक्कम रु.100/- अतिरिक्त भरणा केल्याचे दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमाप्त जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
9	13 21/11/2022	परवाना विभाग (प्र. स. क्र.03)	विषय :- सन 2021-2022 परवाना विभागातील भरणा तपासणी बाबत.. नुतनीकरण पावती पुस्तक क्रमांक 24 मधील पावती क्रमांक 2378, दिनांक 29/10/2021 ची पाहणी केली असता पावतीची बेरीज केली एकूण रक्कम रु.11,048/- इतकी येत आहे. परंतु प्रत्यक्षात रक्कम रु.11,956/- इतकी रक्कम नोंदवून रक्कम रु.908/- अतिरिक्त भरणा केल्याचे दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमाप्त जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
10	14 21/11/2022	परवाना विभाग (प्र. स. क्र.03)	विषय :- सन 2021-2022 परवाना विभागातील भरणा तपासणी बाबत.. नुतनीकरण पावती पुस्तक क्रमांक 24 मधील पावती क्रमांक 2398, दिनांक 25/11/2021 ची पाहणी	

			केली असता पावतीची बेरीज केली एकूण रक्कम रु.920/- इतकी येत आहे. परंतु प्रत्यक्षात रक्कम रु.960/- इतकी रक्कम नोंदवून रक्कम रु.40/- अतिरिक्त भरणा केल्याचे दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
11	15 21/11/2022	परवाना विभाग (प्र. स. क्र.03)	विषय :- सन 2021-2022 परवाना विभागातील भरणा तपासणी बाबत.. नुतनीकरण पावती पुस्तक क्रमांक 3 मधील पावती क्रमांक 246 दिनांक 29/12/2021 ची पाहणी केली असता पावतीची बेरीज केली एकूण रक्कम रु.24,856/- इतकी येत आहे. परंतु प्रत्यक्षात रक्कम रु.24,964/- इतकी रक्कम नोंदवून रक्कम रु.108/- अतिरिक्त भरणा केल्याचे दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
12	16 21/11/2022	परवाना विभाग (प्र. स. क्र.03)	विषय :- सन 2021-2022 परवाना विभागातील भरणा तपासणी बाबत.. नुतनीकरण पावती पुस्तक क्रमांक 5 मधील पावती क्रमांक 462 दिनांक 28/02/2022 ची पाहणी केली असता पावतीची बेरीज केली एकूण रक्कम रु.21,156/- इतकी येत आहे. परंतु प्रत्यक्षात रक्कम रु.22,108/- इतकी रक्कम नोंदवून रक्कम रु.952/- अतिरिक्त भरणा केल्याचे दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
13	17 21/11/2022	परवाना विभाग (प्र. स. क्र.03)	विषय :- सन 2021-2022 परवाना विभागातील भरणा तपासणी बाबत.. नुतनीकरण पावती पुस्तक क्रमांक 7 मधील पावत्यांची पाहणी केली असता पावती क्रमांक 607, 608, 609 व 610 दिनांक 11/03/2022 ची एकूण रक्कम रु.17,184/- इतक्या रकमेचा भरणा करणे क्रमप्राप्त होते. परंतु प्रत्यक्षात चलन बुक क्र.391 मधील चलन क्रमांक डी-39006 अन्वये रक्कम रु.17,384/- इतकी रक्कम नोंदवून रक्कम रु.200/- अतिरिक्त भरणा केल्याचे दिसून येत आहे.	

			सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
14	18 21/11/2022	परवाना विभाग (प्र. स. क्र.03)	विषय :- सन 2021-2022 परवाना विभागातील भरणा तपासणी बाबत.. नुतनीकरण पावती पुस्तक क्रमांक 7 मधील पावती क्रमांक 648 दिनांक 22/03/2022 ची पाहणी केली असता पावतीची बेरीज केली एकूण रक्कम रु.2250/- इतकी येत आहे. परंतु प्रत्यक्षात रक्कम रु.1500/- इतकी रक्कम नोंदवून रक्कम रु.750/- अतिरिक्त भरणा केल्याचे दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
15	19 21/11/2022	परवाना विभाग (प्र. स. क्र.03)	विषय :- सन 2021-2022 परवाना विभागातील भरणा तपासणी बाबत.. नुतनीकरण पावती पुस्तक क्रमांक 7 मधील पावती क्रमांक 652 दिनांक 23/03/2022 ची पाहणी केली असता पावतीची बेरीज केली एकूण रक्कम रु.28,452/- इतकी येत आहे. परंतु प्रत्यक्षात रक्कम रु.28,448/- इतकी रक्कम नोंदवून रक्कम रु.4/- अतिरिक्त भरणा केल्याचे दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
16	20 21/11//2022	परवाना विभाग (प्र. स. क्र.03)	विषय :- सन 2021-2022 परवाना विभागातील भरणा तपासणी बाबत.. नुतनीकरण पावती पुस्तक क्रमांक 7 मधील पावती क्रमांक 654 दिनांक 23/03/2022 ची पाहणी केली असता पावतीची बेरीज केली एकूण रक्कम रु.24,856/- इतकी येत आहे. परंतु प्रत्यक्षात रक्कम रु.24,964/- इतकी रक्कम नोंदवून रक्कम रु.108/- अतिरिक्त भरणा केल्याचे दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	

17	09 21/11/2022	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-2022 या आर्थिक वर्षाचे लेखापरिक्षण करिता दस्तऐवज उपलब्ध करून देणे बाबत... सन 2021-2022 या आर्थिक वर्षाचे अंतर्गत लेखा परिक्षण करणेकामी आपल्या विभागाकडील खालील नमुद अभिलेख तपासणीकरिता उपलब्ध करून देण्यात यावे. 1) MMRDA कर्ज अभिलेख व कर्ज रजिष्टर. 2) देयकातुन कपात स्टॅम्प ड्युटीचा तपशील व शासन जमा केलेली स्टॅम्प ड्युटीचे अभिलेख. 3) कायम ठेव रजिष्टर व त्या संबंधीत अभिलेख. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
18	24 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिव्क्युरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेज नुसार दैनंदिन भरणा रजिष्टरमध्ये दिनांक 30/07/21 सर्वसाधारण पावती क्र.73851 ची रक्कम रु.19,53,105/- अशी आहे. परंतु सदर पावती वरील रक्कमेची नोंद माहे जुलैच्या तेरीजमध्ये न घेतल्याने तफावत दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
19	25 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिव्क्युरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेज नुसार दैनंदिन भरणा रजिष्टर मध्ये माहे ऑगस्टची एकूण तेरीज रक्कम रु.31,16,39,642/- अशी नोंदवली गेली असून प्रत्यक्षात बेरीज केली असता ती रक्कम रु.31,17,04,683/- इतकी होत आहे. तरी सदर रक्कमेमध्ये रु.65,041/- इतक्या रक्कमेचा फरक दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	

20	26 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिक्युरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेज नुसार दैनंदिन भरणा रजिष्टर मध्ये माहे सप्टेंबरची एकूण तेरीज रक्कम रु.3,41,13,66,580/- असी नोंदवली गेली असून प्रत्यक्षात बेरीज केली असता ती रक्कम रु.34,13,66,580/- इतकी होत आहे. तरी सदर रक्कमेमध्ये रु.3,07,00,00,000/- इतक्या रक्कमेचा फरक दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.
21	27 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिक्युरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेज नुसार दैनंदिन भरणा रजिष्टरमध्ये सर्वसाधारण पावती क्र.73874, दिनांक 01/10/21 रक्कम रु.8,94,00,254/- चा भरणा केलेला आहे. परंतु सदर पावती रक्कमेची नोंद माहे ओक्टोबरची तेरीज मध्ये घेतल्याचे दिसून येत नाही. त्यामुळे माहे ओक्टोबरच्या एकूण तेरीज मध्ये तफावत दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.
22	28 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिक्युरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेज नुसार दैनंदिन भरणा रजिष्टर मध्ये माहे नोव्हेंबर ची एकूण तेरीज रक्कम रु.1,01,00,00,769/- असी नोंदवली गेली असून प्रत्यक्षात बेरीज केली असता ती रक्कम रु.89,63,48,769/- इतकी होत आहे. तरी सदर रक्कमेमध्ये रु.11,36,52,000/- इतक्या रक्कमेचा फरक दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.

23	29 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिव्क्युरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेज नुसार दैनंदिन भरणा रजिष्टरमध्ये दिनांक 06/12/2021 रोजी सर्वसाधारण पावती क्रमांक 6314 ते 6320 ऐवजी पावती क्र. 63314 ते 63320 असे नोंदविण्यात आलेले आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
24	30 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिव्क्युरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेज नुसार दैनंदिन भरणा रजिष्टर मध्ये माहे जानेवारी 2022 ची एकूण तेरीज रक्कम रु.38,93,04,023/- अशी नोंदवली गेली असून प्रत्यक्षात बेरीज केली असता ती रक्कम रु.16,94,34,023/- इतकी होत आहे. तरी सदर रक्कमेमध्ये रु.21,98,70,000 /- इतक्या रक्कमेचा फरक दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
25	32 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिव्क्युरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेजाची तपासणी केली असता दैनंदिन भरणा रजिष्टरमध्ये सर्वसाधारण पावती क्र.6290, दिनांक 30/03/22 रक्कम रु.5,00,00,000/- चा भरणा केलेला आहे. परंतु सदर पावती रक्कमेची नोंद माहे मार्च 2022 च्या तेरीज मध्ये रु.50,00,000/- अशी घेतल्याचे दिसून येत आहे. त्यामुळे माहे मार्चची एकूण तेरीज मध्ये तफावत दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	

26	33 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिक्कुरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेजाची तपासणी केली असता दैनंदिन भरणा रजिष्टरमध्ये सर्वसाधारण पावती क्र.7105, दिनांक 31/03/22 रक्कम रु.4,88,000/- चा भरणा केलेला आहे. परंतु सदर पावती रक्कमेची नोंद माहे मार्च 2022 च्या तेरीज मध्ये रु.48,800/- अशी घेतल्याचे दिसून येत आहे. त्यामुळे माहे मार्चची एकूण तेरीज मध्ये तफावत दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमाप्त जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
27	34 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिक्कुरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेज नुसार दैनंदिन भरणा रजिष्टर मध्ये माहे मार्च 2022 ची एकूण तेरीज रक्कम रु.78,66,10,636/- अशी नोंदवली गेली असून प्रत्यक्षात बेरीज केली असता ती रक्कम रु. 67,05,35,951/- इतकी होत आहे. तरी सदर रक्कमेमध्ये रु. 11,60,74,685/- इतक्या रक्कमेचा फरक दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमाप्त जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
28	35 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिक्कुरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेज नुसार दैनंदिन भरणा रजिष्टर मध्ये माहे जुलै 2021 ची एकूण तेरीज रक्कम रु.26,07,465/- अशी नोंदवली गेली असून प्रत्यक्षात बेरीज केली असता ती रक्कम रु. 26,31,716/- इतकी होत आहे. तरी सदर रक्कमेमध्ये रु. 24,251/- इतक्या रक्कमेचा फरक दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमाप्त जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	

29	36 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिक्युरिटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेज नुसार सर्वसाधारण पावती बुक क्रमांक 982 वरील पावती क्रमांक 98129, दि. 09/09/21 रक्कम रु. 5,744/- या पावतीचे चलन व भरणा रजिष्टरमध्ये नोंद केल्याचे दिसून येत नाही. तरी सदर पावतीचा भरणा लेखा शाखेत जमा झाला किंवा कसे? सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
30	37 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिक्युरिटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेज नुसार सर्वसाधारण पावती बुक क्रमांक 63 वरील पावती क्रमांक 6206, दिनांक 14/01/22 रक्कम रु.50,27,000/- व पावती क्रमांक 6208, दिनांक 05/01/22 रक्कम रु.41,02,260/- या पावत्यांवर लेखापाल / रोखपाल यांनी स्वाक्षरी केल्याचे दिसून येत नाही. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
31	44 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिक्युरिटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील उपलब्ध दस्तावेज नुसार सर्वसाधारण पावती बुक क्रमांक 738 वरील पावती क्रमांक 73758 ते 73766 या पावतींचे चलन मध्ये नोंद केल्याचे दिसून येत नाही. तरी सदर पावतीचा भरणा लेखा शाखेत जमा झाला किंवा कसे ? सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	

32	46 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिक्युरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेज नुसार सर्वसाधारण पावती बुक क्रमांक 985 वरील पावती क्रमांक 98467 ते 98473 या पावतीचे चलन मध्ये नोंद केल्याचे दिसून येत नाही. तरी सदर पावतीचा भरणा लेखा शाखेत जमा झाला किंवा कसे ? सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.
33	47 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिक्युरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेज नुसार दैनंदिन भारणा रजिष्टर मध्ये माहे नोव्हेंबर 2021 चो एकूण तेरीज रक्कम रु.51,39,809/- अशी नोंदवली गेली असून प्रत्यक्षात बेरीज केली असता ती रक्कम रु. 49,23,791/- इतकी होत आहे. तरी सदर रक्कमेमध्ये रु. 2,16,018/- इतक्या रक्कमेचा फरक दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.
34	48 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिक्युरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेजाची तपासणी केली असता दैनंदिन भरणा रजिष्टरमध्ये सर्वसाधारण पावती क्र.98499, दिनांक 15/11/21 रक्कम रु.1,00,000/- चा भरणा केलेला आहे. परंतु सदर पावती रक्कमेची नोंद माहे नोव्हेंबर 2022 च्या तेरीज मध्ये रु.10,000/- अशी घेतल्याचे दिसून येत आहे. त्यामुळे माहे नोव्हेंबरच्या एकूण तेरीज मध्ये तफावत दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.

35	49 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिव्क्युरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेजाची तपासणी केली असता दैनंदिन भरणा रजिष्टरमध्ये सर्वसाधारण पावती क्र.98535, दिनांक 29/11/21 रक्कम रु.1,00,000/- चा भरणा केलेला आहे. परंतु सदर पावती रक्कमेची नोंद माहे नोव्हेंबर 2022 च्या तेंद्रीज मध्ये रु.10,000/- अशी घेतल्याचे दिसून येत आहे. त्यामुळे माहे नोव्हेंबरच्या एकूण तेंद्रीज मध्ये तफावत दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.
36	50 11/01/2023	लेखा विभाग	विषय :- सन 2021-22 लेखा विभागातील सिव्क्युरीटी डिपोजिट चे सर्वसाधारण पावती, चलन व भरणा रजिष्टर तपासणी बाबत... सन 2021-22 या आर्थिक वर्षातील लेखा विभागातील दस्तावेजाची तपासणी केली असता चलन क्र.25162, दिनांक 14/12/2021 नुसार सर्वसाधारण पावती क्रमांक 5946 ते 5949, दिनांक 14/12/2021 या पावत्यांचा एकूण रक्कम रु.13847/- भरणा लेखा शाखेत केल्याचे दिसून येत आहे. परंतु सदर पावत्यांची बेरीज केली असता रक्कम रु.14847/- इतकी येत आहे. तथापि तफावत रक्कम रु.1000/- चा भरणा लेखा शाखेत केल्याचे दिसून येत नाही. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.
37	54 08/02/2023	परवाना विभाग, (प्र.स.क्र. 02)	विषय :- सन 2021-22 परवाना विभागातील प्र.स.क्र. 02 चे परवाना फॉर्म फी भरणा तपासणी बाबत... सन 2020-21 या आर्थिक वर्षा करिता परवाना फॉर्म फी चा डेलीकलेक्शन रजिष्टर (नमुना क्र. 78) लेखा परिक्षण कामी उपलब्ध झाले नाही. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.

38	55 08/02/2023	परवाना विभाग, (प्र.स.क्र. 02)	विषय :- सन 2021-22 परवाना विभागातील प्र.स.क्र. 02 चे परवाना फॉर्म फी भरणा तपासणी बाबत... सन 2021-22 परवाना विभागातील उपलब्ध दस्तावेज ची तपासणी केली असता सर्वसाधारण पावती पुस्तक क्र. 620 मधील, 1) सर्वसाधारण पावती क्रमांक 61905 दिनांक 02/11/2021 रक्कम रु. 50/- सदर पावती वर परवाना प्राधिकृत अधिकाऱ्याची सही दिसून येत नाही. 2) सर्वसाधारण पावती क्रमांक 61906 दिनांक 02/11/2021 रक्कम रु. 50/- सदर पावती वर परवाना प्राधिकृत अधिकाऱ्याची सही दिसून येत नाही. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.																
39	56 08/02/2023	परवाना विभाग, (प्र.स.क्र. 02)	विषय :- सन 2021-22 परवाना विभागातील प्र.स.क्र. 02 चे नुतनीकरण भरणा तपासणी बाबत... नुतनीकरण पावती पुस्तक क्रमांक 23 मधील पावती क्रमांक 2211 दिनांक 19/04/2021 ची पाहणी केली असता पावतीची बेरीज ची एकूण रक्कम रु.13438/- इतकी नोंदवली आहे. परंतु प्रत्यक्षात रक्कम रु.12862/- इतकी रक्कम येणे अपेक्षित असून रक्कम रु.576/- अतिरिक्त भरणा केल्याचे दिसून येत आहे. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.																
40	57 08/02/2023	परवाना विभाग, (प्र.स.क्र. 02)	विषय :- सन 2021-22 परवाना विभागातील प्र.स.क्र. 02 चे नुतनीकरण भरणा तपासणी बाबत... नुतनीकरण पावती पुस्तक क्र. 04 मधील रद्द पावतीवर प्राधिकृत अधिकारी / निरीक्षकाची सही दिसून येत नाही पावती खलील प्रमाणे. <table border="1"> <thead> <tr> <th>अ क्र.</th><th>दिनांक</th><th>पावती क्र.</th><th>रक्कम</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1</td><td>11/03/22</td><td>356</td><td>-</td></tr> <tr> <td>2</td><td>28/03/22</td><td>365</td><td>2760/-</td></tr> <tr> <td>3</td><td>28/03/22</td><td>366</td><td>5282/-</td></tr> </tbody> </table> सदर लेखापरिक्षण अर्धसमास जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	अ क्र.	दिनांक	पावती क्र.	रक्कम	1	11/03/22	356	-	2	28/03/22	365	2760/-	3	28/03/22	366	5282/-
अ क्र.	दिनांक	पावती क्र.	रक्कम																
1	11/03/22	356	-																
2	28/03/22	365	2760/-																
3	28/03/22	366	5282/-																

41	58 08/02/2023	परवाना विभाग, (प्र.स.क्र. 02)	विषय :- सन 2021-22 परवाना विभागातील प्र.स.क्र. 02 चे नुतनीकरण भरणा तपासणी बाबत... सन 2021-22 परवाना विभागातील उपलब्ध दस्तावेज ची तपासणी केली असता पावती पुस्तक क्र. 04 मधील पावती क्रमांक 307 दिनांक 22/12/2021 रक्कम रु. 780/- सदर पावती वर परवाना लिपीकाची सही दिसून येत नाही. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमाप्त जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	
42	59 08/02/2023	परवाना विभाग, (प्र.स.क्र. 02)	विषय :- सन 2021-22 परवाना विभागातील प्र.स.क्र. 02 चे नुतनीकरण भरणा तपासणी बाबत... सन 2021-22 परवाना विभागातील उपलब्ध दस्तावेज ची तपासणी केली असता पावती पुस्तक क्र. 23 मधील पावती क्रमांक 2233 दिनांक 23/06/2021 रक्कम रु. 2760/- सदर पावती वर परवाना लिपीकाची सही दिसून येत नाही. सदर लेखापरिक्षण अर्धसमाप्त जापन अनुपालन अप्राप्त असल्याने लेखापरिक्षण अक्षेप नोंदविण्यात येत आहे.	



(Signature)

(इंजि. श्रीकांत अनारसे)

मुख्य लेखापरिक्षक,

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका.

प्रत माहितीस्तव सादर

- 1) मा.स्थायीसमिती
भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका.
- 2) मा.आयुक्त साो
भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका.

दक्षता व उपाय

लेखापरिक्षण विभागाकडून वेळोवेळी प्राथमिक आक्षेप लागू करण्यात आलेले आहेत. बहुतांशी आक्षेपांची पूर्तता होण्यासारखी असूनदेखील त्याकडे संबंधित विभागांनी योग्य व पुरेसे लक्ष न दिल्यामुळे आक्षेपित वसूलपात्र रक्कम वेळेत वसूली होऊ शकली नाही. आक्षेपित वसूलपात्र रक्कम वसूल करणेबत प्रयत्न करणे आवश्यक आहे. आग्रीम रक्कमेचे समायोजित विहित कालावधी करणे आवश्यक आहे. तरी आग्रीमाच्या समायोजनासाठी तातडीचे प्रयत्न करणे आवश्यक आहे. कार्यवाहीतील त्रुटी लेखापरिक्षण आक्षेपात दाखवून देऊनही पुन्हा पुन्हा त्याच स्वरूपाच्या अनियमितता आढळून येतात. त्याअर्थी संबंधित अधिकारी / कर्मचारी यांकडे पुरेशा गांभीर्याने पहात नसल्याचे दिसून येते, असे म्हटल्यास त्यामध्ये अतिशयोक्ती होणार नाही प्रत्येक विभागास अर्धमास आक्षेप प्राप्त झाल्यानंतर त्यांची पूर्तता तीन दिवासाचे आत करणेबाबत संबंधितांनी दक्षता घेणे आवश्यक आहे. म्हणे सदरचे आक्षेप अंतिम अहवालात सामाविष्ट करावे लागणार नाहीत. लेखापरिक्षण विभागाने वेळोवेळी लागू केलेले अर्धसमास आक्षेप व पाठविणेत आलेले वार्षिक लेखापरिक्षण अहवाल संबंधित विभागाने आक्षेपांची केलेली पूर्तता याबाबत स्वतंत्र नोंदवही ठेवण्यात यावी म्हणजे प्रलंबित आक्षेपांबाबत विभाग प्रमुखांस वेळोवेळी आढावा घेवून आक्षेपांची पूर्तता करणे सोईचे होईल.

सदरच्या सूचना यापूर्वीच्या अहवालांमध्येही देणेत आल्या होत्या. परंतु त्याची दखल घेतल्याची दिसून येत नाही. तरी विभाग प्रमुखांनी अर्धमास आक्षेपांची त्वरित पूर्तता करणेची दक्षता घ्यावी. तसेच आतापर्यंत प्रलंबित असलेल्या आक्षेपांची पूर्तता करणेबत विशेष मोहिम हाती घ्यावी.



(इंजि. श्रीकांत अनारसे)

मुख्य लेखापरिक्षक,

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका.

9

10

प्रमाणपत्र

प्रमाणित करण्यात येते की, भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका, भिवंडी यांचे सन 2021-22 या आर्थिक वर्षाचे वार्षिक लेखांची उपलब्ध कागदपत्रांच्या आधारे तपासणी करण्यात आली आहे. सदरचे लेख हे लेखापरिक्षण अहवालातील व सोबत जोडलेल्या आक्षेपांच्या अधीन राहून प्रमाणित करण्यात येत आहेत.



(श्रीकांत अनारसे)

मुख्यलेखापरिक्षक

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका

)

)

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिकेचे सन 2021-2022 चे वार्षिक लेखांवरील लेखा परीक्षण अभिप्राय व लेखे प्रमाणिकरण:

1. "प्रस्तावना"

- 1.1 मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी, भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका यांचे कडील क्र.जा.क्र.भिनिशमनपा/लेखा/1203/2022 दि.15/09/2022 अन्वये भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिकेचे सन 2021-2022 या आर्थिक वर्षाचे दुहेरी लेखांकन पद्धतीने वार्षिक लेखा विविणपत्रे लेखा परिक्षकाने प्रमाणीत करणे करीता पाठविली आहेत. महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाचे कलम 94 नुसार वार्षिक प्रशासन अहवाल आणि संबंधीत वर्षाचे लेखा विवरणपत्र एप्रिल महिन्याच्या 1 तारखे नंतर लवकरात लवकर स्थायी समितीस सादर करणे आवश्यक आहे. सन 2021-2022 च्या वार्षिक लेखा तपासणीच्या उद्देशाने सादर करण्यात आलेल्या सन 2021-22 च्या ताळेबंद, उत्पन्न व खर्च पत्रकाची तपासणी करण्यात येत आहे.
- 1.2 शासन निर्णय क्रमांक स्थानिक-2010/प्र.क्र.26 ब/विमा/प्रशासन, मंत्रालय, मुंबई दिनांक 31 मार्च 2011 नुसार राज्यातील पंचायत राज संस्था व नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या लेखांचे लेखापरीक्षण, संचालक, स्थानिक निधी लेखापरिक्षा, महाराष्ट्र राज्य यांनी देखील नियंत्रक व महालेखापरिक्षक यांच्या तांत्रिक मार्गदर्शन व पर्यवेक्षणाच्या मार्गदर्शन तत्वानुसार करावयाचे आहे. त्या अनुषंगाने मा.संचालक स्थानिक निधी लेखा परिक्षण कार्यालयाकडून महानगरपालिकेच्या वार्षिक लेखांचे लेखा परिक्षण करून प्रमाणिकरण केले जाते.
- 1.3 सर्व महानगरपालिकांनी वित्तीय वर्ष संपल्यानंतर महानगरपालिकेच्या मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी यांनी दरवर्षी वित्तीय लेखे पूर्ण करणे आवश्यक आहे, वित्तीय लेखे तयार करून ते 30 जून पूर्वी स्थायी समितीस सादर केलेले वित्तीय लेखे, महासभेकडून मंजूर करून ते शासनास, संचालक, स्थानिक निधी लेखापरीक्षा व मुख्य लेखा परीक्षक यांना सादर करावयाचे आहेत. शासनास सादर करण्यात आलेल्या वित्तीय लेखांचे लेखापरीक्षण संचालक, स्थानिक निधी लेखापरीक्षा यांच्या कार्यालयाकडून करून घेणे आवश्यक आहे.

२.०

" वार्षिक लेखे प्रमाणिकरण "

- २.१ **वार्षिक लेखा:-** सन 2021-22 या कालावधीचे द्विनोद पद्धतीने तयार केलेले वार्षिक लेखे स्थायी समिती पुढे ठेऊन लेखा विभागाकडून अद्याप मंजुरी घेण्यात आलेली नाही. मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी यांनी महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमचे कलम 94 नुसार सदरची कार्यवाही दरवर्षी विहित मुदतीत पार पाडणे आवश्यक आहे. आर्थिक वर्ष 2021-22 पर्यंत टॅली या संगणक प्रणालीत दुहेरी लेखा नोंद वार्षिक लेखे ठेवण्यात आले आहेत. लेखा विभागाने या पुढेही दुहेरी लेखांकन पद्धतीने लेखे ठेवण्याची कार्यवाही सुरु ठेवावी.

2.2

अर्थसंकल्पीय तरतूदी व प्रत्यक्ष जमा/खर्च लेखा सन 2021-22

(आकडे लाखात)

शिर्ष	अर्थसंकल्पीय रक्कम	प्रत्यक्ष रक्कम	तफावती
महसुली जमा	42,578.41	53,686.31	(11,107.90)
भांडवली जमा	31,027.51	23,974.55	7,052.96

एकुण जमा	73,605.92	77,660.86	(4,054.94)
महसुली खर्च	50,129.94	46,438.87	3,691.07
भांडवली खर्च	34,343.44	34,111.58	231.86
एकुण खर्च	84,473.38	80,550.45	3,922.93

अंदाजपत्रका बाबत महानगरपालिकेने राष्ट्रीय लेखा संहिता नुसार अर्थसंकल्पाची व वित्तीय व्यवहाराची नोंद व त्याबाबत अहवाल लेखे ज्या लेखाशिर्षा अंतर्गत ठेवण्यात येतील ती लेखांकन शिर्ष निश्चित करणे आवश्यक आहे. महापालिकेच्या अर्थसंकल्पाची व वित्तीय व्यवहाराची अर्थपूर्ण माहिती मिळविण्यासाठी लेखा तक्त्यांच्या सांकेतांची संरचना खालील 5 मुलभुत घटकांवर आधारित असणे आवश्यक आहे.

- 1) कार्य 2) उद्दीष्ट 3) निधी 4) भौगोलिकक्षेत्र 5) कार्यकारी यंत्रणा व त्यानुसार 7 अंकी लेखाशिर्ष सांकेतांकनुसार लेखा सांकेतांक देऊन अंदाजपत्रक तयार करणे आवश्यक आहे. त्यानुसार सन 2021-22 मध्ये कार्यवाही झालेली नाही.
- 2) महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम मधील कलम 94 नुसार तयार केलेले वार्षिक प्रशासन अहवाल लेखा परिक्षणासाठी सादर केलेले नाहीत.

2.3 संगणकीयकृत लेखे :- कोणतीही पुस्तके किंवा लेखा नोंदवह्या या संगणकीयकृत स्वरूपात ठेवण्यात येत असतील तर लेखा विभागातील जबाबदार कर्मचारी/ अधिकार्यांकडून पडताळणी करून त्यावर स्वाक्षरीकरणे आवश्यक आहे. नमूद केलेल्या सारांशा सोबत विहित केलेली तपशीलवार योग्य क्रमांक देण्यात आलेली व योग्य प्रकारे बांधणी केलेली अशी ही नोंदवही असेल. जेव्हा लेखे आणि नोंदवही इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात ठेवण्यात येतील तेव्हा आज्ञावलीची त्याचप्रमाणे लेखांकन माहिती कार्यक्षमता आणि सुरक्षितता यांची खातरजमा करण्यासाठी उचित उपाययोजना करण्यात येईल. वापरण्यात आलेल्या आज्ञावली मध्ये सुरक्षेच्या चढत्या क्रमाने असलेल्या स्तरांची माहिती नोंद आणि त्याची पडताळणी करण्याच्या प्रयोजनार्थ पासवर्ड संरक्षणाची तरतूद असेल. वापरण्यात आलेली आज्ञावली लेखापरीक्षा मागोवांच्या उचित प्रक्रियात्मक जोडणीची तरतूद करण्यास समर्थ असेल. यापूर्वीच्या काळात करण्यात आलेली कोणतीही नोंद जर वगळण्याची/ त्यात फेरबदल करण्याची आवश्यकता असेल तर ती केवळ प्राधिकृत अधिकार्यांकडून करण्यात येईल आणि अपवादात्मक परिस्थिती म्हणून मूळ नोंद बदलण्या करिताची कारणे नमूद करून स्वाक्षरीसह अहवाल तयार करण्यास वापरलेली आज्ञावली मूळ नोंदीची सर्व माहिती पुरविण्यास समर्थ असेल याप्रमाणे कार्यवाहीची दक्षता घ्यावी.

2.4 महानगरपालिकेने केलेल्या गुंतवणुका :- महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम मधील कलम 92(1) मध्ये महानगरपालिका निधीत जमा असलेल्या ज्या शिल्लक पैशाचा विनियोग या अधिनियमाच्या किंवा त्यान्वये उभारलेल्या कोणत्याही कर्जाच्या प्रयोजनासाठी ताबडतोब किंवा लवकर करता येणे शक्य नसेल तो पैसा स्थायी समितीच्या मंजुरीने आयुक्तांना महानगरपालिकेच्या वतीने व्याजाने अनुसूचीत बँकेत ठेव स्वरूपात वेळोवेळी गुंतवता येईल अशी तरतूद आहे. महाराष्ट्र शासन, वित्त विभाग, शासन निर्णय क्र. शासन क्र. 10.15/प्र.क्र.42/साअ/दि. 27/10/2015, शासन निर्णय वित्त विभाग दि.13.03.2020 नुसार शिल्लक असलेल्या अर्खर्चित निधी गुंतवण्या संदर्भात मार्गदर्शक तत्वे/सूचना देण्यात आलेल्या आहेत. यानुसार गुंतवणूकीचे निर्णय घेण्याचे धारेण व दूरदर्शी निकष, गुंतवणूकीचा निर्णय घेण्याचा अधिकार, गुंतवणूकी साठी बँक व वित्तीय संस्थेची निवड, निधी गुंतविण्याची कार्यपद्धती/प्रक्रिया, याबाबतची तत्वे/ सूचना देण्यात आलेल्या आहेत. त्यानुसार महानगरपालिकेने निधी गुंतविल्या नंतर गुंतवणूक प्रमाणपत्र प्राप्त करणे, ते योग्य असल्याची खात्री करणे, त्याच्या सद्यस्थिती बाबत नियमित पणे आढावा घेणे आवश्यक आहे. बँकेत अथवा वित्तीय संस्थेत ठेव स्वरूपात किंवा इतर स्वरूपात निधी गुंतविला असेल तर त्याची मूळ पावती, प्रमाणपत्रे महानगरपालिकेच्या मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी यांच्या अभिरक्षेत ठेवण्यात यावीत. सदर ठेवी संदर्भात उक्त अधिकार्यांनी वेगळ्या नोंदवही मध्ये नोंदी घेण्यात याव्यात व त्या स्वाक्षांकित करण्यात याव्यात, उपरोक्त शासन निर्णयानुसार महानगरपालिकेने कार्यवाही केलेली नाही.

महानगरपालिकेने गुंतवणूक नोंदवही राष्ट्रीय लेखा संहिते मधील नियम 20 अंतर्गत नमूद तरतुदींचा अवलंब करून नमुना IN-1 मध्ये ठेवणे आवश्यक असताना त्यानुसार गुंतवणूक नोंदवही ठेवलेली नाही. प्रत्येक महिना अखेरीस लेखा विभाग प्रमुख किंवा त्यांच्या वतीने नियुक्त केलेल्या अधिकाऱ्याने वेगवेगळ्या खात्यातील शिल्लक गुंतवणूक नोंदवही बरोबर ताळमेळ घेतला नाही. लेखा विभाग प्रमुखाने गुंतवणूकीची प्रत्यक्ष पडताळणी करून गुंतवणूकीचे प्रमाणपत्र गुंतवणूक नोंद वहीतील नोंदी प्रमाणे बरोबर असल्याची खात्री करून प्रमाणित केलेले नाही.

बँक ठेवी बाबत त्याठेवी बँकामध्ये असल्याचे पुष्टीकरण पत्रक (Bank Confirmation Statement) 2021-22 पर्यंत ठेवलेले नाहीत.

सन 2021-22 मध्ये गुंतवणूक केल्या आहेत. तथापि, गुंतवणूकी बाबत मनपाचे काय धोरण आहे ? हे तपासणीसाठी उपलब्ध झाले नाही, प्राप्त अनुदाने, जमा रक्कम ज्या ताबडतोब वापरासाठी आवश्यक आहेत व ज्या रक्कम ब-याच कालावधीसाठी बँक खात्यात पडून राहणार आहेत ? या पध्दतीने जमा रक्कमांची परिगणना न करता मोघम पध्दतीने गुंतवणूक केल्या असल्याचे मनपाचे अभिलेखांवरून दिसून येते.

2.5 वार्षिक लेखात लेखाशिर्ष निहाय खर्चाचे वर्गीकरण :-

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिकेच्या सन 2021-22 च्या लेखा विवरणपत्र तपासणीसाठी सादर केलेले आहेत. वार्षिक लेखाच्या विवरणपत्रात दर्शविलेल्या लेखाशिर्ष निहाय खर्च रक्कम या योग्य त्या लेखाशिर्षा खालीच खर्च दर्शविल्या बाबतचे व त्या रक्कम खर्चाच्या वर्गीकरण नोंदवही सोबत जुळतात या संबंधीची माहिती, रक्कम जुळत नसल्यास त्याची कारणे, कमी जादा तफावत असल्यास सदरच्या रक्कम लेखात समाविष्ट होण्यासाठी अगर कमी करण्यासाठी महानगरपालिकेने केलेली कार्यवाही पुरक माहितीत दर्शविलेली नाही.

विविध स्वरूपाचे राखीव निधी :-

2.6. राखीव निधी - शासन निर्णया नुसार वेगवेगळ्या प्रकारच्या निधी महानगरपालिकातर्फे तयार करण्यात आलेले आहेत. रिझर्व येणे असलेल्या रक्कमांमधून बुडीत निधीची तरतुद केलेली नाही.

2.6.1 महिला व बाल कल्याण योजना निधी :- महिला व बाल कल्याण विभागाने, शासन निर्णय, नगरविकास विभाग मंत्रालय, मुंबई क्र./ए01/1093/1148/नवि-1 दि.14/07/1993 व शासन परिपत्रक नगर विकास विभाग क्र.संकिर्ण 10/1162/नवि-27 दि.04/01/2000 मध्ये नमूद केल्या नुसार महानगरपालिकेने आपल्या वार्षिक महसूली उत्पन्नातून बांधील खर्च वजा करून शिल्लक असणा-या उत्पन्नाच्या 5 टक्के एवढी रक्कम महिला व बाल कल्याण विभागातील योजनांवर खर्च करण्याबाबत उपरोक्त शासन परिपत्रका द्वारे निर्देश देण्यात आलेले आहेत. महिला व बाल कल्याण योजने करीता करण्यात आलेल्या तरतुदी पेक्षा फार कमी प्रमाणात खर्च संबंधीत विभागाकडून करण्यात आलेला आहे. शासन निर्णयाप्रमाणे तरतुदीनुसार संपूर्ण खर्च संबंधीत विभागाकडून करण्यात आलेला नाही.

2.6 अपंग कल्याणकारी योजना निधी :- केंद्र शासनाने अपंग व्यक्तींच्या कल्याणसाठी अपंग व्यक्तींसाठी समान संधी, संरक्षण व समान सहभाग कायदा 1965 दि.01.01.1996 पासून लागू केला आहे. सदर कायदातील कलम 40 अन्वये सर्व नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्था यांनी अपंगांसाठी किमान 3 टक्के निधी राखीव ठेवण्या बाबत महाराष्ट्र शासन, नगर विकास विभागाचे परिपत्रक क्र.संकीर्ण-2010/प्र.क्र.146/2010 दिनांक 30.10.2010 मध्ये 1 ते 18 बाबींचा समावेश करण्यात आलेल्या असून, त्याबाबींवर 3 टक्के निधी नागरी भागातील अपंगांच्या कल्याणकारी योजनांकरीता करण्यात आलेल्या तरतुदीपेक्षा फार कमी प्रमाणात खर्च संबंधीत विभागाकडून करण्यात आलेला आहे. शासन निर्णयाप्रमाणे तरतुदीप्रमाणे संपूर्ण खर्च संबंधीत विभागाकडून करण्यात आलेला नाही.

2.7 मागासवर्गीय कल्याणकारी योजना निधी — नगरविकास विभाग शासन परिपत्रक क्रमांक -बीसीसी-1081/6056/युडी-10 दि.03 जुलै,1992 नुसार समाजातील दुर्बल घटक, अनुसूचित जाती, अनुसूचित जमाती, विमुक्त जाती व भटक्या यांचे कल्याणकारी योजनांसाठी नगरपालिकेने राखून ठेवायाचे 5 टक्के महसूल व वापर याबाबत निर्देश दिलेले आहेत. मागासवर्गीय कल्याणकारी योजना

करीता करण्यात आलेल्या तरतुदीपेक्षा फार कमी प्रमाणात खर्च संबंधीत विभागाकडून करण्यात आलेला आहे. शासन निर्णयाप्रमाणे तरतुदीप्रमाणे संपूर्ण खर्च संबंधीत विभागाकडून करण्यात आलेला नाही.

- 2.8 क्रिडा विभाग- नगरविकास विभाग, परिपत्रक क्रमांक-जीईएन/1098/ प्र.क्र.21/8/नवि-24 दि.19 मार्च,1998 नुसार महानगरपालिका व नगर मालिकांना खेळ व संघ दत्तक घेणे व क्रिडा विभागावर दरवर्षी किमान 5 टक्के निधी खर्च करणे बाबत सूचना देण्यात आलेल्या आहेत. क्रिडा विभागा करीता करण्यात आलेल्या तरतुदीपेक्षा फार कमी प्रमाणात खर्च करण्यात आलेला आहे. शासन निर्णयाप्रमाणे उद्घोष्टावर तरतुदीप्रमाणे संपूर्ण खर्च करण्यात आलेला नाही.

3 महानगरपालिकेने घेतलेली कर्जे -

3.3 कर्ज निवारण निधी -

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाचे कलम 126 (1) अ, ब, क, ड नुसार महानगरपालिकेने घेतलेल्या कर्ज व त्या वर्षात फेडलेली कर्जे आणि अखेरीस असलेली बाकी रक्कम याची माहिती आयुक्तांनी प्रत्येक वर्षाच्या शेवटी तयार करून महानगरपालिकेच्या बैठकी मध्ये ठेवणे आवश्यक आहे. महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाच्या कलम 112 नुसार महानगरपालिकेस कर्जनिवारण निधीची स्थापना करणे आवश्यक असून कलम 113 व 114 नुसार कर्ज निवारण निधी मधील रकमांची गुंतवणूक करणे आवश्यक आहे. तसेच कलम 115 नुसार कर्ज निवारण निधीची वार्षिक तपासणी होणे आवश्यक आहे. महानगरपालिकेने घेतलेले सर्व कर्ज व त्याची परत फेड करण्यासाठी आवश्यक असलेली रक्कम विहित दिनांकापूर्वी जमा झाल्यास कर्ज निवारण निधी मध्ये वर्ग करून त्याची कलम 114 प्रमाणे शासकिय कर्ज रोख्यात गुंतवणूक करून त्याबाबत परिपूर्ण नोंद कर्ज निवारण नोंदवहीत घेणे आवश्यक आहे. कर्ज निवारण हा संवैधानिक निधी असून तो स्थानिक संस्थेच्या अधिनियमातील तरतुदी नुसार निर्माण करता येतो. या निधीतील शिल्लकही संस्थेने उभारलेल्या दीर्घ मुदतीच्या कर्जांच्या परत फेडीसाठी वापरली जाते. दरवर्षी विशिष्ट रकमेचा हप्ता या निधीमध्ये हस्तांतरीत केला जातो. या निधीद्वारे निर्माण केलेली रक्कमही विशिष्ट कारणांसाठी असून, ती अन्य कोणत्याही कारणांसाठी वापरता येत नाही. सन 2021-22 अखेर कर्ज निवारणनिधी बाबत तरतूद व खर्च केल्याचे दिसून येत नाही.

3.4 तारण कर्ज :-

ताळेबंद पत्रातील विवरणपत्रा नुसार रक्कम दर्शविण्यात आलेल्या आहेत. तथापि, त्याच्या परतफेडीसाठी कोणतीही तरतूद केली नसल्याचे दिसून येते. ताळेबंद विवरणपत्रामध्ये खालील प्रमाणे रक्कम नमूद केल्याचे दिसून येते.

(आकडे लाखत)

अ.क्र.	वर्ष	वर्ष अखेरीस रक्कम
1	2021-22	5827.67

महानगरपालिकेने घेतलेले परतावे / कर्जांची परतफेड नियमितपणे करण्यात येते का ? अशा सर्व परतावे / कर्जे यांची नोंद संबंधीत लेख्यात नोंदविल्या आहेत का ? हप्ता चुकविल्यामुळे दंडनीय व्याजासह परतफेड केली जाते का? हप्ता चुकविण्याची कारणे काय आहेत? याबाबतची माहिती उपलब्ध केली नाही.

नगर विकास विभाग शासन, परिपत्रक क्रमांक संकीर्ण-2016/प्र.क्र.34/नवी-20 दिनांक 06/02/2016 मध्ये नमूद केलेल्या अटी व शर्तीनुसार प्राप्त झालेल्या कर्ज रक्कमाची परतफेड करणे आवश्यक आहे. मुंबई वितीय नियम 1959 मधील नियम 60 तसेच महाराष्ट्र अर्थसंकल्प नियम पुस्तिका खंड 01 मधील नियम क्रमांक 148 नुसार शासनाला येणे असलेल्या रक्कमेची वसूली करण्याची जबाबदारी त्या त्या महानगरपालिकेची असल्याने, याबाबतची उचित कार्यवाही करणे आवश्यक आहे.

कर्जाची रक्कम ज्या कारणासाठी प्राप्त झाली, त्यासाठीच वापरण्यात आल्याची पडताळणी करणे घेतलेल्या कर्जाची परतफेड शासनाने ठरवून दिलेल्या हप्त्यात केली किंवा कसे याबाबत पडताळणी करावी.

कर्जाच्या परत फेडीसाठी कर्ज निवारण निधीचा अवलंब व विनियोग करण्यात आलेली नाही. कर्ज निवारण निधीची वार्षिक तपासणी केली किंवा कसे ? याचा खुलासा केला नाही. एम.एम.आर.डी.ए. कडून घेतलेल्या कर्जा बाबत कर्जनिवारण निधीचा वापर करण्या ऐवजी मनपाने एक्सक्रो खात्यात अर्धवार्षिक परतफेडीची रक्कम कायम ठेवीत ठेवून परतफेड करण्याची कार्यपद्धत अवलंबलेली आहे. सदर पद्धत ही एम.एम.आर.डी.ए. सोबत कर्जा संबंधीत असलेल्या करारनाम्याच्या अटी व शर्तीनुसार अवलंबण्यात आल्याचे दिसून येत आहे.

उपलब्ध करून देण्यात आलेल्या अभिलेखांवरून पडताळणी केली असता भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिकेने शासनाच्या एम.एम.आर.डी.ए. या महामंडळाकडून विविध योजनांसाठी घेतलेल्या कर्जाचे सन 2017-18 ते 2019-20 पासूनचे परतफेड करावयाचे हप्ते महानगरपालिकेने भरणा केले नसल्याचे आढळून आले आहे. सदर हप्ते प्रदान न केल्यामुळे प्रलंबित हप्त्यांची दंडात्मक व्याजासह रक्कम महानगरपालिकेकवर थकीत आहे. विहित मुदतीत कर्जाची परतफेड न केल्याने महानगरपालिकेला मोठा आर्थिक भुदंड सोसावा लागत आहे. त्यामुळे महानगरपालिकेच्या दायीत्वात दिवसेंदिवस भर पडत असल्याने याबाबतची ठोस कार्यवाही करून तातडीने निर्णय घेण्याची आवश्यकता आहे.

महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण यांचेकडून घेतलेल्या पाणी पुरवठा योजना कर्जापोटी घेतलेल्या कर्जापेक्षा अतिरिक्त रु.33,79,031/-मात्र मनपाकडून प्रदान झाल्याचे दिसून येत आहे. सदर अतिप्रदान रक्कमेचा ताळपेठ घेऊन त्याच्या परतफेडीची मागणी एम.जी.पी.कडे नोंदविणे आवश्यक ठरते. मनपाकडून सदर कार्यवाही केल्याबाबतचे अभिलेख सादर नाहीत.

4 महानगरपालिका निधी व संवैधानिक निधी :-

4.3 घसारा निधी --

सन 2021-22 च्या ताळेबंदात रु.58232.93 लक्ष इतका घसारा निधी दर्शविला आहे. सदर निधी करिता तरतूद व खर्च नियमा नुसार केलेला नाही. तसेच याबाबतचे लेख स्वतंत्रपणे ठेवलेले नाहीत. तसेच महाराष्ट्र नगरपरिषद लेखा संहिता 2011 मधील नियम क्र.198 मधील परिशिष्ट दोन मध्ये विहित केलेल्या दराने, सरासरी घसारा पद्धती नुसार स्थिर मालमत्तां वर घसारा आकारण्यात येईल अशी तरतूद आहे. हि घसारा रक्कम वैयक्तिक मत्तांना लागू नकरताच एकाच वर्गातील मत्तांच्या गटाला लागू करण्यात येईल, या मधील नियम 200 नुसार रक्कम रु.5000/-पेक्षा कमी किमीतीच्या सर्व मत्तांना खरेदीच्या वर्षामध्ये 100 टक्के घसारा आकारण्यात येईल. तथापि, अशा प्रत्येक मत्ताची देखील रुपये एक इतक्या घसारा मुल्यांचे स्थिर मत्ता नोंदवही मध्ये नोंद घेण्यात येईल. अशी तरतूद आहे. तथापि, भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिकेने याबाबत सन 2021-22 मध्ये स्वतंत्र लेख ठेवलेले नसून महानगरपालिका निधीतून खर्च केल्याचे नमूद केलेले आहे.

घसारा निधी बाबत घसारा राखीव निधी तयार नसल्याने सन 2021-22 मध्ये जमा व खर्च पत्रका मध्ये दर्शविलेनुसार प्रत्यक्ष घसारा रक्कम राखीव निधी मध्ये वर्ग केलेली दिसून येत नाही.

4.4 वृक्ष संवर्धन निधी-

महाराष्ट्र (नागरी क्षेत्र) झाडांचे संरक्षण व जतन अधिनियम 1975 मधील कलम 15 नुसार नागरी स्थानिक प्राधिकरण वृक्षप्राधिकरण निधी या नावाचा एक स्वतंत्र निधी निर्माण करील व त्यामध्ये वृक्ष प्राधिकरणास मिळणा-या सर्व रक्कमा जमा करण्यात येतील.

सन 2021-2022 मध्ये ताळेबंद नुसार वृक्ष संवर्धन निधी मध्ये एकच रक्कम दर्शविण्यात आलेली आहे. वृक्ष संवर्धन निधी करीता स्वतंत्र बँक खाते करण्यात आले आहे. सदर खात्यात वृक्ष तोडीसाठी प्राप्त होणा-या रक्कमा जमा करण्यात आलेल्या आहेत. सदर रक्कमा या वृक्ष संवर्धन निधी या लेखाशिर्षा अंतर्गत वर्गीकृत न होता वृक्ष तोड शुल्क या लेखाशिर्षा अंतर्गत दर्शविण्यात आल्याने वृक्ष संवर्धन निधीत रक्कम जमा दिसून येत नसून सन 2021-22 मध्ये रु.1,23,213.00 एकच रक्कम दर्शविण्यात आली आहे.

4.5 आग सुरक्षा निधी-

आग सुरक्षा निधी मध्ये ताळेबंदानुसार दर्शविलेली रक्कम

(आकडे लाखात)

अ.क्र.	वर्ष	वर्ष अखेरीस रक्कम
1	2021-22	406.60

महाराष्ट्रातील सर्व स्थानिक स्वराज्य संस्था तसेच विशेष नियोजन प्राधिकरण यांनी महाराष्ट्र सुरक्षा प्रतिबंधक व जीवसंरक्षक उपाय योजना अधिनियम 2006 मधील कलम 25 अन्वय स्थापन केलेल्या आग सुरक्षा निधी मध्ये जमा होणा-या एकूण रक्कमेच्या 5 टक्के तरतूद करून प्रति वर्षी राज्यस्तरावर स्थापन होणा-या अग्निसुरक्षा सेवा कल्याण निधी मध्ये जमा करणे बाबत निर्देश देण्यात आलेले आहेत. भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिकेच्या अग्निशमन विभागा मार्फत देण्यात आलेल्या ना-हरकत प्रमाणपत्राच्या जमा रक्कमा व वेतन भत्ते तसेच कार्यालयीन कामाच्या अनुषंगाने आलेल्या खर्चाची सन 2021-2022 एकूण किती रक्कम जमा झाली, याबाबतचा तपशिल उपलब्ध झालेला नाही.

4.6 वेतन राखीव निधी :-

सन 2021-22 च्या वार्षिक लेख्यात वर्षा अखेरीस रु.71.43 लक्ष रक्कम दर्शविण्यात आलेली आहे. सन 2021-22 पर्यंत वेतन निधी मध्ये वाढ झालेली दिसून येत नाही. सदरची रक्कम वेतन खर्चाच्या अनुषंगाने नगण्य असल्याचे दिसून येत आहे.

4.5 भविष्य निर्वाह निधी :-

सन 2021-22 च्या वार्षिक लेख्यात वर्षा अखेरीस रु.7354.67 लक्ष इतकी रक्कम दर्शविण्यात आलेली आहे. सदर निधीत नियमित वाढ करण्यात आल्याचे दिसून येते.

4.6 अंशदायी परिभाषित योजना निधी :-

सन 2021-22 च्या वार्षिक लेख्यात वर्षा अखेरीस रु.6685.28 लक्ष इतकी रक्कम दर्शविण्यात आलेली आहे. सदर निधीत नियमित वाढ करण्यात आल्याचे दिसून येते.

सन 2021-22 या कालावधीत अंशदायी परिभाषित योजनेच्या मार्गदर्शक तत्वांनुसार निधीची गुंतवणुक करण्यात आल्याचे दिसून येत नाही.

4.7 मलप्रवाह विनियोजन निधी-

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमातील नियम 91 नुसार विशेष निधीची स्थापना करणे बाबत तरतुद करणेत आलेली आहे. अशा निधीची स्थापना व विनियोग नियमांद्वारे केलेल्या रीतीने केली पाहिजे. ताळेबंदानुसार सन 2021-2022 पर्यंत एकच रक्कम दर्शविण्यात आल्या आहेत. यावरून सदर निधीचा विनियोग झालेला दिसून येत नाही. सन 2021-22 च्या ताळेबंदात वर्षा अखेरीस सदर निधी रु.1,00,022/-मात्र दर्शविण्यात आला आहे.

5शासन अनुदाने / निधी :-

ताळेबंदानुसार शासनाकडून प्राप्त अनुदानाच्या पैकी खालील नमूद रक्कमा या प्रत्येक वर्षी एक सारख्या दिसून येत असलेल्या सदर रक्कमा त्या त्या आर्थिक वर्षात खर्च झाल्याचे दिसून येत नाही. सदर अनुदानाच्या खर्चाचे विहित काल मर्यादेत होणे आवश्यक आहे व मुदती अंती अर्खांचित अनुदाने शासनास भरणे आवश्यक ठरते.

(आकडे लाखात)

शासनाकडून प्राप्त अनुदान	2021-22
12 वा वित्त आयोग	1.88
13 वा वित्त आयोग	2.34
एन.एल.सी.पी. अनुदान	3.92
आय.एच.डी.पी. अनुदान	1.16
Aadhar	56.13
दलीत वस्ती पाणी पुरवठा निधी	34.14
निर्मल एम.एम.आर.	13.31
सर्व शिक्षा अभियान	10.68
अमृत अभियान पाणी पुरवठा	1.70
कोट अनुदान	2.80
25 एम.एल.डी.	0.29
सोशल इकॉनॉमी जात सर्व्हे	0.28
मायनॉरिटी मेजर क्लास रुम	0.06

5.3 नागरी दलित वस्ती सुधारणा निधी-

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिकेचे सन 2021-2022 या कालावधीचे वार्षिक लेखांची तपासणीच्या अनुषंगाने, नागरी दलित वस्ती सुधारणा निधीच्या वार्षिक विवरणपत्र लेखांची तपासणी केली असता शासनाकडून प्राप्त झालेला निधी व करण्यात आलेला खर्च यामध्ये मोठी तफावत दिसून येते.

राज्य शासनाकडून नागरी दलित वस्ती सुधारणा या खाली प्राप्त झालेले अनुदान ज्या प्रयोजनासाठी प्राप्त झाले आहे त्याच प्रयोजनासाठी वापरले आहे का ? नसल्यास त्याची कारणे काय आहेत ? अन्य प्रयोजनासाठी वापरताना शासनाची पूर्व परवानगी घेतली आहे किंवा कसे ? याबाबतची माहिती उपलब्ध केली नाही.

नागरी दलित वस्ती सुधारणा या खाली प्राप्त झालेल्या अनुदानाची उपयोगिता प्रमाणपत्रे शासनास सादर केलेली आहेत का ? असल्यास ती सादर केली नाहीत, नसल्यास त्याची कारणे काय आहेत ? ती स्पष्ट केली नाहीत.

नागरी दलित वस्ती सुधारणा या लेखाशिर्षा खाली प्राप्त झालेल्या अनुदान अर्खचित रक्कम शासनास परत केल्या आहेत का ? असल्यास त्याची माहिती सादर केली नाही, नसल्यास त्याची कारणे काय आहेत ? ती स्पष्ट केली नाहीत.

- 5.4 आमदार स्थानिक विकास निधी :- सन 2021-22 च्या वार्षिक लेख्यात वर्षा अखेरीस रु.821.59 लक्ष इतकी अर्खचित रक्कम दर्शविण्यात आलेली आहे.
- 5.5 खासदार स्थानिक विकास निधी :- सन 2021-22 च्या वार्षिक लेख्यात वर्षा अखेरीस रु.37.17 लक्ष इतकी अर्खचित रक्कम दर्शविण्यात आलेली आहे.
- 5.6 अमृत योजना निधी :- सन 2021-22 च्या वार्षिक लेख्यात वर्षा अखेरीस रु.140.96 लक्ष इतकी अर्खचित रक्कम दर्शविण्यात आलेली आहे.
- 5.7 सुवर्ण जयंती नगरोत्थान महाअभियान निधी :- सन 2021-22 च्या वार्षिक लेख्यात वर्षा अखेरीस रु.54.80 लक्ष इतकी अर्खचित रक्कम दर्शविण्यात आलेली आहे.
- 5.8 रस्ते सुधारणा निधी :- सन 2021-22 च्या वार्षिक लेख्यात वर्षा अखेरीस रु.289.09 लक्ष इतकी अर्खचित रक्कम दर्शविण्यात आलेली आहे.
- 5.9 राजीव आवास योजना निधी :- सन 2021-22 च्या वार्षिक लेख्यात वर्षा अखेरीस रु.0.05 लक्ष इतकी अर्खचित रक्कम दर्शविण्यात आलेली आहे.
- 5.10 मुलभुत सुविधा अनुदान निधी :- सन 2021-22 च्या वार्षिक लेख्यात वर्षा अखेरीस रु.283.23 लक्ष इतकी अर्खचित रक्कम दर्शविण्यात आलेली आहे.

विविध शासन अनुदान लेखाशिर्षा अंतर्गत शिल्लक दिसणारी अर्खचित रक्कम व प्रत्यक्ष शासन निधीच्या विशेष बँक खात्यात जमा रक्कमेचा ताळमेळ घेणे आवश्यक ठरते . तसेच विहित मुदतीत खर्च न झालेला अर्खचित निधी शासन निर्देशानुसार शासनास परत करणे आवश्यक ठरते.

6 बँके खात्याबाबत-

6.1 अनावश्यक बँक खाती-

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिकेच्या सन 2021-22 च्या वार्षिक लेख्यांचे लेखा परिक्षणा मध्ये महानगरपालिकेचे दैनंदिन आर्थिक व्यवहारांसाठी व कायदानुसार स्थापित विविध निधीच्या व्यवहारासाठी बँक खाती उघडण्यात आलेली आहेत. लेखा विभागाने दिलेल्या तपशीला नुसार महानगरपालिकेची बँक खाती विविध बँकांमध्ये उघडलेली आहेत. याबाबत तपशील पुढील प्रमाणे आहे.

(आकडे लाखात)

अ.क्र.	वर्ष	ताळेबंदा नुसार बँक खात्याची संख्या	शिल्लक रक्कम
1	2021-22	90	24805.98

उपरोक्त सर्व खात्यांचा ताळेमेळ घेण्यात आलेला नाही. तसेच एकाच प्रकारच्या निधीची अनेक बँकखाती उघडण्यात आल्याचे दिसून येते. निष्क्रिय / अनावश्यक बँकखाती किती आहेत, याचा तपशील सादर केलेला नाही.

महानगरपालिकेच्या आर्थिक व्यवहारासाठी उघडण्यात आलेल्या एकूण बँक खात्याचा तपशील व शिल्लक असलेल्या रक्कमांचा तपशील यांचा ताळेमेळ घेणे, वापरात नसलेली निष्क्रिय खाती बंद केल्याची खात्री करणेची कार्यवाही केलेली नाही.

6.2 बँक खात्यांचा ताळेमेळ (Bank reconciliation) :-

बहुतांश बँकांचे बँक रिकन्सिलियेशन पूर्ण झाल्याचे दिसून येत नाही. विशेषता इंडियन बँक एक्सक्रो खाते, इंडियन बँक जनरल फंड, बँक ऑफ महाराष्ट्र जनरल फंड, इंडियन बँक 14 वित्त आयोग, युनियन बँ एस.डी. खात्याचे बँक रिकन्सिलियेशन पूर्ण झाल्याचे दिसून येत नाही. त्याबाबत तातडीने कार्यवाही करणे आवश्यक ठरते. तसेच जी बँक खात्यांचा वापर बंद आहे अशा बँक खाती जमा असलेली रक्कम वापरात आणणे आवश्यक आहे. त्याकरीता संबंधीत बँकशी पत्रव्यवहार करून तातडीने कार्यवाही करणे आवश्यक ठरते.

7 विविध प्रकारच्या कराद्वारे उत्पन्न :-

7.3 मालमत्ता कर-

विभागाने सादर केलेल्या संगणकीकृत प्रपत्रातील सन 2021-22 या वर्षीच्या मागणी व प्रत्यक्ष जमा रक्कमांचा तपशील खालील प्रमाणे आहे.

(आकडे लाखात)

अ.क्र.	वर्ष	आरंभिक शिल्लक	वित्तीय वर्षातील चालु मागणी रक्कम	प्रत्यक्ष वसुली रक्कम	कमी वसुलीची रक्कम
1	2021-22	2768.38	3489.83	3307.34	2950.87

उपरोक्त तक्त्याचे अवलोकन केले असता, मागणीची रक्कम दिवसेंदिवस वाढत जात आहे व वसुलीचे प्रमाण कमी होत आहे. वसुली बाबतच्या उपाययोजना करणे आवश्यक आहे.

करा पासून मिळणारे उत्पन्न अंदाजपत्रकीय तरतूदीनुसार प्राप्त झालेले नसून उत्पन्न कमी का आहे ? याबाबत कोणतेही स्पष्टीकरण देण्यात आलेले नाही.

थकबाकीचे प्रमाणे भरपूर असून वसुलीसाठी विशेष प्रयत्न केल्याने मनापाच्या उत्पन्नात घट झालेली आहे. चालु मागण्यांची वसुलीचे प्रमाण देखील कमी असल्याने मनपाचे उत्पन्न अंदाजपत्रानुसार प्रत्यक्षात वाढल्याचे दिसून येत नाही.

Indusind Bank व HDFC बँकेकडील मालमत्ता कर खात्यात Online जमा झालेल्या असून त्यांचे करदात्यांची माहिती अभावी सदर रक्कमा प्रलंबित आहेत. लेखा विभाग तसेच कर विभागाने संयुक्तीकरित्या सदर रक्कमांचा तात्काळ ताळेमेळ घेऊन त्यांचे योग्य प्रकारे लेखांकन करणे आवश्यक ठरते.

7.4 पाणीपट्टीकर-

मनपाच्या पाणी पुरवठा विभागा मार्फत सन 2021-22 या कालावधीत पाणीपट्टी पोटी एकूण मागणी, प्रत्यक्ष वसूल व त्याचे वसूली व त्याचे प्रमाण याचा तपशील खालील प्रमाणे आहे.

(आकडे लाखात)

अ.क्र.	वर्ष	आरंभिक शिल्लक	वित्तीय वर्षातील चालू मागणी रक्कम	प्रत्यक्ष वसूली रक्कम	कमी वसूलीची रक्कम
1	2021-22	11648.42	3766.34	1840.15	13574.60

वरील तक्त्याचे अवलोकन केले असता, पाणीपट्टी वसूलीचे प्रमाण अत्यंत कमी आहे. पाणीपट्टी वसूलीचे कामकाज, वसूली बाबतच्या उपाययोजना करणे आवश्यक आहे. पाणी पुरवठा योजना ना नफा न तोटा तत्वावर चालविण्याचे असतांना भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिकेची पाणी पुरवठा योजना मोठ्या प्रमाणावर तोट्यात चालत आहे. याबाबत उपाय योजना व वसूली होणे आवश्यक आहे.

7.5 मालमत्ते पासूनभाडे आकार उत्पन्न -

सन 2021-2022 च्या जमा व खर्च विवरणपत्रात दर्शविलेल्या रक्कमांचा तपशील खालील प्रमाणे आहेत.

(आकडे लाखात)

अ.क्र.	वर्ष	रक्कम
1	2021-22	108.89

सन 2021-22 च्या रक्कमा कमी वसूली झालेली दिसून येत आहे. सदरच्या रक्कमा कोणत्या वर्षातील भाड्यापोटी प्राप्त झाल्या आहेत. तसेच वर्ष निहाय मागणी व प्रत्यक्ष वसूली किती ? वर्षानुवर्षे येणे असलेल्या थकीत भाड्याच्या रक्कमांबाबत उपाययोजना करणे आवश्यक आहे.

7.6 शुल्क, आकार व दंड उत्पन्न -

सन 2021-2022 च्या जमा व खर्च विवरणपत्रात दर्शविलेल्या रक्कमांचा तपशील खालील प्रमाणे आहेत.

(आकडे लाखात)

अ.क्र.	वर्ष	रक्कम
1	2021-22	3817.43

7.7 व्याजापासून उत्पन्न -

(आकडे लाखात)

अ.क्र.	बाब	2021-22
1	गुंतवणुकी वरील व्याज	435.46
2	मालमत्ता करावरील व्याज	1793.02

3	इतर व्याज	0
	एकूण	2228.48

सन 2020-21 च्या तुलनेत सन 2021-22 या वर्षात कमी उत्पन्न मिळालेले आहे. दोन्ही वर्षांच्या तुलनेत मोठ्या प्रमाणात तफावत दिसून येते. याबाबतच्या कारणंचा तपशिल सादर केला नाही.

7.8 - व्यपगत रक्कमा :-

(आकडे लाखात)

अ.क्र.	बाब	2021-22
1	डिपॉझिट फॉरफिटेट/ नॉन रिफंडेबल-	निरंक

मनपाच्या वतीने वेगवेगळ्या विभागा मार्फत विकास कामांसाठी निविदा काढल्या जातात व त्यासाठी सुरक्षा अनामत घेतली जाते. अशा प्रकारच्या काही रक्कमा, कामे पूर्ण झाली तरी त्यांना परत केल्या जात नाही. सदरच्या रक्कमा महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमातील तरतूदीनुसार तीन वर्षा नंतर अनामत रक्कम परत करताना सर्वसाधारण सभेची मान्यता घेणे आवश्यक आहे.

7.9 करापासून मिळणारे उत्पन्न, महसुली अनुदान व इतर आणि व्याजापासून मिळणारे उत्पन्न या तिन्ही बाबींपासून मिळालेल्या उत्पन्नाचा तपशिल खालील प्रमाणे आहे.

(आकडे लाखात)

अ.क्र.	वर्ष	रक्कम
3	2021-22	53686.31

वरील उत्पन्नात मुख्यता शासन अनुदानचा समावेश असून त्याआधारे बरेचसे महसुली, भांडवली व वेतन व वेतनेत्तर खर्च भागविला जात असल्याने, महापालिकेचे निव्वळ उत्पन्न अल्प असून त्यात वाढ करण्याच्या दृष्टीने प्रयत्न करणे गरजेचे आहे.

8 ताळेबंदातील खर्चाच्या बाबी:-

8.3 वेतन :-

(आकडे लाखात)

बाब	2021-22
वेतन	20186.48

वेतना वरील खर्च हा सातत्याने वाढत असून, तो उत्पन्नाच्या विहित मर्यादे पर्यंत राहिल याची दक्षता घेणे आवश्यक आहे.

8.4 जाहिरात व प्रसिध्दी-

(आकडे लाखात)

बाब	2021-22
जाहिरात व प्रसिध्दी	192.02

उपरोक्त तपशिलानुसार सन 2021-2022 अखेर सदरच्या लेखाशिर्षावर खर्च वाढत असल्याचे दिसून येत आहे. सदरच्या खर्चात समारंभाची प्रसिध्दी, निविदा साठी केलेल्या खर्चाचा समावेश आहे. शासन निर्णयातील दिलेल्या मार्गदर्शक सुचनानुसार निविदा जाहिरातीचा आकार कमी करता येईल.

9.0 देखभाल व दुरुस्ती :- सन 2021-2022 च्या आर्थिक वर्षात सदर लेखाशिर्षाखाली झालेल्या खर्च रक्कमाचा तपशिल

(आकडे लाखात)

बाब	2021-22
देखभाल व दुरुस्ती	3608.09

उपरोक्त तपशिलानुसार देखभाल व दुरुस्तीच्या खर्चा मध्ये सन 2020-21 च्या तुलनेत सन 2021-22 मध्ये मोठ्या प्रमाणात वाढ झालेचे दिसून येते, याबाबतची कारणे स्पष्ट करणेत आली नाहीत.

10. अग्रिमे :-

10.1 दिलेल्या अग्रिम रक्कमांचे समायोजन-

ताळमेळ अहवालानुसार सन 2021-22 च्या आर्थिक वर्षात विभागाना भांडवली खर्चासाठी दिलेल्या रक्कमांचा तपशिल खालील प्रमाणे आहे.

(आकडे लाखात)

बाब	2021-22
ठेकेदार अग्रिम	91.60
जनसेवा मजूर सोसायटी	63.80
जमीन खरेदी	40.40
औषधी खरेदी	46.02
वाहन खरेदी	0
वकील फी अग्रिम	22.99
एकूण	264.81

उपरोक्त रक्कमातील नगर रचना विभागाला भूसंपादनासाठी अग्रिम स्वरूपात देण्यात आलेल्या रक्कम सन 2021-2022 पर्यंत एक सारखी दिसत आहे. सदर अग्रिमाचे समायोजन झाले किंवा कसे ? तसेच झालेल्या भूसंपादनाच्या नोंदी जमिनीच्या नोंदवहीत घेण्यात आले किंवा कसे ? तसेच यापुर्वीच्या प्रलंबित अग्रिमांचे समायोजन होणे आवश्यक आहे.

विभागांना देण्यात आलेल्या ठेकेदार अग्रिम, जनसेवा मजूर सोसायटी, औषध खरेदी, वाहन खरेदी, वकील फी अग्रिम यांच्या रक्कमा सन 2021-2022 पर्यंत एक सारख्या दिसत आहे. सदर अग्रिमांचे समायोजन झालेले दिसून येत नाही.

महानगरपालिकेने दिलेल्या अग्रिम रक्कमांचे वेळीच समायोजन / वसुली केली आहे का आणि या अग्रिमांची अग्रिम नोंदवहीत सर्व प्रकारची अग्रिमे नोंदली आहेत का व नसल्यास त्याची कारणे काय आहेत या बाबत पडताळणी केली असता महानगरपालिकेने दिलेल्या अग्रिम रक्कमांचे वेळीच समायोजन/ वसुली झालेली नाही.

10.2 :- प्रलंबित आगाऊ रक्कमा बाबत-

सन 2021-22 अखेर ठेकेदार यांना दिलेल्या आगाऊ रक्कमांचे समायोजन झालेले नाही. भि.नि.श. मनपाच्या 2021-22 अखेरच्या वार्षिक लेख्यांचे लेखापरिक्षणात ठेकेदार व विभागप्रमुखांना दिलेल्या आगाऊ रक्कमांच्या नोंद वहीची पडताळणी उपलब्ध करून देण्यात आल्या नाहीत. खालील प्रमाणे ठेकेदार व विभाग प्रमुखांना आगाऊ रक्कमांचे प्रदान झाल्याचे ताळेबंद विवरणपत्रा वरून दिसून येत आहे. परंतु रक्कमांचे समायोजन झाल्याचे आढळून आले नाही. वार्षिक लेख्यांचे लेखा परिक्षणात लेखापरीक्षण कालावधी पर्यंत प्रलंबित असल्याचे दिसून आलेले आहे. या बाबतचा तपशील खालील प्रमाणे आहे.

(आकडे लाखात)

अ.क्र.	वर्ष	आगाऊ रक्कम
1	2021-22	402.71

मुंबई वित्तीय नियम 1959 नुसार सहा महिन्यांच्या आत अग्रिमाची वसुली करणे आवश्यकता असताना, तसेच मागिल अग्रिम देण्यात आलेला आहे. ज्या कारणांसाठी अग्रिमाची रक्कम दिली, त्याकामासाठी अग्रिमाची रक्कम खर्च झाली नसेल व रक्कम कर्मचा-यांकडे / ठेकेदारांकडे प्रलंबित राहिली तर सदर रक्कमेचा दुर्विनियोग होण्याची शक्यता नाकारता येत नाही. महानगरपालिकेने ठोस कार्यवाही करून अग्रिम रक्कमा समायोजनाने अथवा रोखीने जमा करणे आवश्यक आहे. परंतु सदर महापालिकेच्या थकीत रक्कमा सन 1954-55 पासून प्रलंबित आहेत. उपरोक्त रक्कमांचे समायोजना बाबतची कार्यवाही प्राधान्याने करण्यात यावी.

10.3 :- सप्लायर्स आणि कॉन्ट्रॅक्टर्स यांचे अनामत देणी रक्कमा-

(आकडे लाखात)

अ.क्र.	वर्ष	रक्कम
1	2021-22	3232.75

उपरोक्त प्रमाणे स्वीकारलेल्या ठेवों मध्ये वेगवेगळ्या प्रकारच्या ठेवींच्या रक्कमांच्या समावेश आहे. तसेच त्यांचा कालावधी किती आहे. याचा तपशिल उपलब्ध नाही. नियमानुसार त्याचा कालावधी पूर्ण झाल्या नंतर त्यांची परतफेड करणे आवश्यक आहे. किंवा नियमाधीन कार्यवाही झालेल्या त्या महापालिकेच्या सर्व साधारण निधीत जमा होणे आवश्यक आहे.

वार्षिक लेख्या सोबत परिशिष्ट ब मध्ये दर्शविण्यात आलेल्या माहितीनुसार अनामत व ईसारा रक्कमांचे मनपा कडून अतिप्रदान झाल्याचे दिसून येत आहेत. सदर अतिप्रदान रक्कमांचा ताळमेळ घेऊन त्याची वसुली करणे आवश्यक ठरते.

तसेच NULM बँक खात्यात बँकेकडून आकारण्यात आलेल्या बँक चार्जेस हे Bank charges payable (देणी) या चुकीच्या लेखाशिर्षा खाली लेखांकन करण्यात आलेले आहे. सदर खर्च हा Bank Charges (महसुली खर्च) या लेखाशिर्षा खाली लेखांकन होणे आवश्यक ठरते.

मयत कर्मचा-यांच्या वारसांना प्रदान करण्यात आलेल्या गटविमाच्या रक्कमा या प्रत्यक्ष प्राप्त रक्कमांपेक्षा जास्तीच्या असल्याचे दिसून येत आहे. त्याकारणे गट विम्याची रक्कम प्राप्त होताना त्याचे लेखांकन कोणत्या लेखाशिर्षा खाली केले गेले असल्याबाबत खातरजमा करून त्याचा ताळमेळ घेणे आवश्यक ठरते. तसेच कर्मचा-यांच्या वेतनातून कपात होणा-या बँक कर्ज हप्त्यांच्या परतफेडी बाबत ताळमेळ घेऊन अतिप्रदान दिसून येत असलेल्या प्रकरणांचा खुलासा होणे आवश्यक ठरते.

10.4- सन्डीक्रेडिटर्स

(आकडे लाखात)

अ.क्र.	वर्ष	रक्कम
1	2021-22	42.41

उपरोक्त लेखाशिर्षा रक्कम ही शासनाकडे केलेल्या अनुदान मागणी रक्कमेची असल्याचे दिसून येत आहे. सदर मागणीची रक्कम शासनाकडे पाठपूरावा करणे आवश्यक आहे. सदर रक्कम मनपास प्राप्त शासनाकडून प्राप्त होणार नसल्यास त्याबाबत निलेखित करण्याची नियमानुसार उचित कार्यवाही करणे आवश्यक ठरत आहे.

10.5 इतर देणी (सन्डीक्रेडिटर्स) -

महानगरपालिकेला इतर देणी व व्याज असल्याचे दिसून येत आहे. त्याबाबतचा साधार खुलासा केला नाही.

(आकडे लाखात)

अ.क्र.	वर्ष	रक्कम
1	2021-22	7111.99

लेखांकनात Sundry Creditors मध्ये collector Thane यांना दि.06/08/2019 रोजी प्रदान रु.292662/- रक्कमेचा लेखाशिर्ष चुकीचा लेखांकन झालेला आहे. सदर खर्च हा अखर्चित आमदार निधी परत केल्या बाबतचा असल्याने MLA fund या लेखाशिर्षा खाली नोंदविणे आवश्यक ठरते.

वार्षिक लेखांच्या सोबत सहपत्रीत परिशिष्ट-अ मधील माहितीनुसार ठेकेदारांना अतिरिक्त रक्कमांच्या प्रदान झाल्याचे दिसून येत आहे. सदर रक्कमांचा ताळमेळ घेऊन अतिरिक्त रक्कमांची वसुली करणे आवश्यक ठरते.

11 स्थावर मालमत्ता-

सन 2021-2022 च्या ताळेबंदा मध्ये स्थावर मालमत्ताच्या रक्कमा खालील प्रमाणे दर्शविण्यात आलेल्या आहेत.

(आकडे लाखात)

वर्ष	2021-2022
स्थावर मालमत्ता	149789.57

महानगरपालिकेने विभाग निहाय, मत्ता निहाय ठेवलेल्या मत्ता नोंदवही, जमोनीची नोंदवही लेखापरिक्षणासाठी सादर केलेली नसल्याने उपरोक्त नमूद रक्कमांची पडताळणी करता आली नाही.

11.1 मालमत्तांचे पुनर्मुल्यांकन-

नियमानुसार मालमत्तेवर घसा-याची तरतूद केल्या नंतर काही मालमत्तांचे कागदोपत्री मुख्य निरंक झालेले आहे. तथापि, बाजारभावानुसार वाढलेल्या रक्कमा मनपा निधीकडे वर्ग केल्याचे दिसते. तसेच मालमत्तेच्या मुल्यात झालेल्या घटीमुळे झालेला तोटा मनपा निधी मधुन कमी केल्याचे दिसते. त्याचा तपशील उपलब्ध नसल्यामुळे भाष्य करता येत नाही.

12. भांडार-

(आकडे लाखात)

वर्ष	2021-22
भांडार	106.76

गोदाम साठा- पडून असलेले गोदाम साहित्य त्याचा तपशील उपलब्ध झाला नाही.

13. आकस्मिकता निधी

महापालिका व्यवहारात अनेक न्यायालयीन प्रकरणे / लवाद प्रकरणे / निविदा प्रलंबित असतात. अशा प्रलंबित प्रकरणात आर्थिक दायित्व उद्भवण्याची शक्यता असते. व्दिनोद पध्दतीने लेखे तयार करताना अशा दायित्वाची नोंद होत नाही. तथापि, अशा संभाव्य दायित्वाचे परिणाम महापालिकेच्या आर्थिक परिस्थितीवर पडणे अपरिहार्य असते. या पार्श्वभूमीवर अशा सर्व प्रकरणाचा आढावा घेऊन संभाव्य दायित्वाच्या रक्कमेचे निर्धारण करून या रक्कमा प्रत्येक वर्षाच्या वार्षिक लेख्यात टिपणीच्या स्वरूपात समाविष्ट करण्याची कार्यवाही करणे आर्थिक औचित्याच्या दृष्टीकोनातून असणारी बाब याद्वारे निदर्शनात आणून देण्यात येत आहे. साहजिकच या प्रयोजनासाठी घसारा निधी प्रमाणे आकस्मिकता निधी निर्माण करणे बाबत गांभिर्याने विचार व्हावा असे लेखापरिक्षणाचे अभिप्राय देण्यात येत आहेत.

महाराष्ट्र नगरपरिषद लेखा संहिता 2011 चे नियम क्र.385 नुसार लेखा विभागाने वित्तीय विवरणपत्रे तपासणी करीता सादर केली असुन महानगरपालिकांची वित्तीय विवरणपत्रे ही संस्थेची वित्तीय स्थिती, वित्तीय कामगिरी दर्शवितात. लेखांकन धोरण उघड करतात. नियम क्र.434 नुसार सन 2021-22 पर्यंतच्या लेख्यांचे व्दिनोद पध्दतीने लेखांकन करण्यात आल्याचे दिसून येते. तथापि, नियम क्र.436 नुसार मत्तांचे वर्गीकरण हे वित्तीय मत्ता व दायित्वे व इतर मत्ता असे करावयाचे आहे.

गुंतवणुका, प्राप्त रक्कमांचा समावेश असणा-या वित्तीय मत्ता मुख्य लेखा अधिकारी यांनी ठेवावयाच्या असुन इतर मत्तांची पडताळणी, उचित मुल्यांकन प्रक्रिया, वाजवी किंमत इ. कार्यवाही पार पाडण्याची जबाबदारी विभाग प्रमुखांची ठरते. त्यानुसार नियम क्र.439 प्रमाणे विभाग प्रमुख यांनी मत्ता नोंदवद्द्वारे ठेवून मुख्य लेखा अधिका-यास सादर करणे आवश्यक आहे. नियम क्र.432 नुसार नमुना क्र.80 मध्ये ताळेबंद ठेवणे आवश्यक असुन सदरचे ताळेबंद विविध मत्ता व दायित्वे दर्शवितात.

सन 2021-22 च्या ताळेबंदात स्थिर मत्ता रु.1497.90 कोटी, गुंतवणुका रु.208.99 कोटी, चालु मत्ता रु.458.62 कोटी- अशा दर्शविण्यात आल्या असुन सन 2021-22 मध्ये दायित्वामध्ये निधी, अनुदाने, अंशदाने रक्कम रु.1388.38 कोटी, कर्ज निधी रु.58.28 कोटी, घसारा निधी रु.582.33 कोटी असुन चालु दायित्वे रु.145.14 कोटी रक्कमेचे असल्याने मतेपेक्षा रु.8.63 कोटीचे दायित्व जादा असल्याची महानगरपालिकेची वित्तीय स्थिती असल्याचे दिसून येते.

विहित मुदतीत अनुदाने, निधीचा विनियोग करून, वेळीच योजनांची अंमलबजावणी झाल्यास दायित्वाचे प्रमाण कमी होवुन स्थिर मत्तेत भर पडेल. कर्ज निधीची वेळीच परतफेड करून दायित्व कमी करणे गरजेचे आहे. त्यामुळे वित्तीय स्थिती सुधारण्यास मदत होईल.

सन 2021-22 प्राप्त निधी अनुदाने पैकी केवळ रु.208.99 कोटी रक्कमेच्या गुंतवणुका केल्या असल्याचे विवरणपत्रा वरून दिसून येते. गुंतवणुका नियोजनपूर्वक केल्यास वित्तीय स्थिती सुधारण्यास मदत होईल.

नमुना क्र.82 मध्ये जमा व प्रदाने विवरणपत्र ठेवावयाचे असून सदर विवरणपत्रे महानगरपालिकेच्या निधीचे स्रोत, निधीच्या वापराची माहिती दर्शवितात. जमा व प्रदान सोबतच्या शेड्यूल क्र.16 बरून असे दिसून येते की, महानगरपालिकेची सन 2021-22 ची महसुली जमा रु.536.86 कोटी असून सर्वात जास्त रक्कमा या शासन अनुदान (एल.बी.टी. अनुदान) च्या रु.293.16 कोटीच्या आहेत.

सन 2021-22 मालमत्ता करापासूनचे स्वउत्पन्न अत्यल्प असून रु.60.89 कोटी व पाणीपट्टीद्वारे उत्पन्न रु.37.66 कोटी आहे. थकीत मालमत्ता कराची प्रभावीपणे वसुली केली गेली नाही. तसेच आर्थिक स्थिती सुधारण्या करीता नाविन्यपूर्ण उत्पन्नाचे स्रोत निर्माण करणे देखिल उत्पन्नवाढस सहाय्यकारी ठरेल.

महाराष्ट्र नगरपरिषद लेखा संहिता 2011 नियम क्र.388 नुसार पाणी पुरवठा, मलनिःसारण, शिक्षण , आकस्मिक खर्च, वृक्ष निधीचे दुय्यम अहवाल ठेवण्यात आलेले नाहीत. नियम क्र.439 नुसार परिपूर्ण मत्ता नोंदवह्या, अनुदाने नोंदवह्या (न.नं.26) ठेवण्यात आलेल्या नाहीत. नमुना नं.19 गुंतवणुक नोंदवहीत नोंदी अपूर्ण आहेत. संवैधानिक निधीतुन तरतुदीनुसार संपूर्ण खर्च करण्यात आलेला नसून घसारा निधी, रिझर्व फंड पुरेसे ठेवण्यात आलेले नाहीत.

पर्यायाने वित्तीय विवरणपत्रे ही अंशतः वास्तवदर्शी असून पारदर्शक स्थिती दर्शविण्याकरीता नियमानुसार सर्व प्रकारच्या नोंदवह्या, निधी ठेवून लेखांकन सुधारणा होणे गरजेचे आहे.



(श्रीकांत अनारसे)

मुख्य लेखा परिक्षक

भिवंडी निजामपूर शहर महानरपालिका

(

(

(

(